mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-197 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

19 जुलाई 2025 शनिवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

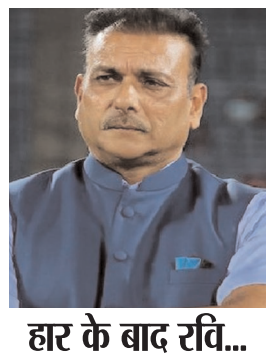

हार के बाद रवि...

@ पेज 7

बिहार में बिजली गिरने से 24 घंटे में 17 मौते

नई दिल्ली,एजेंसी। बिहार में पिछले 24 घंटों में बिजली गिरने से 17 लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा 5 मौतें नालंदा में हुईं। वैशाली में 4, बांका और पटना 2-2 लोगों की जान चली गई। पटना में गंगा नदी खतरे के निशान के ऊपर बह रही है। राजस्थान के राजसमंद में एक वैन में तीन बच्चों समेत सात लोग सैलाब में फंस गए। वैन से निकले कुछ लोग किनारे आने की कोशिश में पेड़ पर फंस गए थे। करीब 2 घंटे के रेस्क्यू के बाद सभी को बचा लिया गया। यूपी के वाराणसी में गंगा उफान पर हैं। नदी का जलस्तर हर घंटे 1 सेमी बढ़ रहा है। इसके अलावा वरुणा नदी भी उफान पर है। करीब 30 हजार घरों ने बाढ़ का पानी आने से पहले ही पलायन की तैयारी शुरू दी है। बलिया में गंगा नदी ने खतरे के निशान को पार कर लिया है। वहीं, हिमाचल प्रदेश में बारिश से जुड़ी दुर्घटनाओं में अब तक 110 लोगों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा 1200 करोड़ रुपए की सरकारी और निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचा है। एक दिन के ब्रेक के बाद अमरनाथ यात्रा शुक्रवार फिर से शुरू कर दी गई है। पिछले कुछ दिनों से जम्मू-कश्मीर में हुई भारी बारिश और 16 जुलाई को बालटाल रूट पर लैंडस्लाइड के बाद यात्रा रोक दी गई थी।

डाइविंग सपोर्ट जहाज आईएनएस निस्तार नौसेना में शामिल

विशाखापत्तनम। देश में बना पहला डाइविंग सपोर्ट जहाज आईएनएस निस्तार शुक्रवार को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। इसे समुद्र के अंदर 300 मीटर तक रेस्क्यू अभियान के लिए बनाया गया है। इस जहाज का वजन 10,000 टन से ज्यादा है। साथ ही 118 मीटर लंबा है। आईएनएस निस्तार को हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड ने तैयार किया है। विशाखापट्नम में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी की मौजूदगी में आईएनएस निस्तार नौसेना को सौंपा गया। ऐसा जहाज दुनिया के चुनिंदा देशों के पास है। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने कहा कि आईएनएस निस्तार सिर्फ एक तकनीकी प्लेटफॉर्म नहीं, बल्कि भारतीय नौसेना की ऑपरेशनल क्षमता को बढ़ाने वाला महत्वपूर्ण कदम है। इसके कमीशन होने के बाद भारत क्षेत्र का सबमरीन रेस्क्यू पार्टनर बन गया है।

महाराष्ट्र विधानसभा मारपीट मामले में एफआईआर, 2 गिरफ्तार

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा में भाजपा और एनसीपी (शरद पवार) विधायकों के समर्थकों के बीच मारपीट मामले में शुक्रवार को एफआईआर दर्ज हुई है। इस मामले में मुंबई पुलिस ने अब तक 2 लोगों को गिरफ्तार किया है। दरअसल, गुरुवार को महाराष्ट्र विधानसभा की लॉबी में भाजपा विधायक गोपीचंद पडलकर और एनसीपी (एसपी) विधायक जितेंद्र आव्हाड के समर्थक भिड़ गए थे।

मुख्यमंत्री ने बार्सिलोना में इन्वेस्ट इन एमपी बिजनेस फोरम मीट को किया संबोधित

भोपाल ,एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि निवेशकों की जरूरतों को हम अच्छी तरह से जानते हैं। निवेशकों को प्रॉपर्ली फेसिलिटेट करना ही हमारी नीति है। हमारी डेडिकेटेड इन्वेस्टर्स फ्रेंडली 18 औद्योगिक नीतियों के जरिए हमने सबके लिए निवेश के द्वार खोल दिए हैं। मध्यप्रदेश आईए, हमारी नीतियों और उपलब्धियों का अवलोकन कीजिए और निवेश कीजिए। उन्होंने कहा कि भारत और स्पेन के बीच पुराने संबंध हैं। हम उन्हीं संबंधों को और भी प्रगाढ़ करने यहां आए हैं।

हम यहां से सिर्फ निवेश नहीं, दीर्घ साझेदारी चाहते हैं। हमारी सरकार अगले वर्ष 2026 को भारत-स्पेन सांस्कृतिक सहयोग वर्ष के रूप में मनाएगी। इसके अंतर्गत कला, संस्कृति, साहित्य और फिल्म आधारित कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश और स्पेन के बीच फिल्म को-प्रोडक्शन को बढ़ावा देने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं। हमने स्पेन फिल्म आयोग के साथ फिल्म निर्माण के क्षेत्र में सहयोग पर भी चर्चा की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को यूरोप यात्रा के तीसरे दिन बार्सिलोना में इन्वेस्ट इन एमपी बिजनेस फोरम मीट को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉरपोरेशन और सबमर टेक्नोलॉजी स्पेन के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिस तरह बार्सिलोना ने नवाचार, संस्कृति और आर्थिक समावेशन के जरिए विकास का अनूठा मॉडल प्रस्तुत किया है, उसी तरह मध्यप्रदेश भी विरासत से विकास की परंपरा को और आगे बढ़ाते हुए अब तेजी से ग्लोबल ग्रोथ इंजन के रूप में उभर रहा है।

एनआईए के मामलों की सुनवाई के लिए स्पेशल कोर्ट बने

नई दिल्ली ,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कि अगर (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) के मामलों की तेज सुनवाई के लिए स्पेशल कोर्ट और अलग इन्फ्रास्ट्रक्चर जरूरी है। जल्द नहीं बनाया गया, तो अदालतें आरोपियों को जमानत देने पर मजबूर होंगी। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने शुक्रवार को कहा, अगर केंद्र और राज्य सरकारें टाइम से सुनवाई के लिए स्पेशल कोर्ट नहीं बनातीं, तो अदालतों के पास अंडरट्रायल आरोपियों को जमानत देने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचेगा। कोर्ट एक ऐसे मामले की सुनवाई कर रही थी जिसमें आरोपी सालों से जेल में बंद है,

कैश केस- जस्टिस वर्मा की सुप्रीम कोर्ट में याचिका

नई दिल्ली ,एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने कैश कांड केस में खुद को दोषी ठहराने वाली जांच रिपोर्ट को रद्द करने की मांग की है। जस्टिस वर्मा ने गुरुवार को अपील में कहा, उनके खिलाफ जो कार्यवाही की गई, वह न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है। मुझे खुद को साबित करने का पूरा मौका नहीं दिया गया। कार्यवाही में एक व्यक्ति और एक संवैधानिक अधिकारी दोनों के अधिकारों का उल्लंघन किया गया है। यह याचिका संसद का मानसून सत्र शुरू होने से कुछ दिन पहले आई है। सत्र के दौरान जस्टिस वर्मा को हटाने के लिए प्रस्ताव पेश किया जा सकता है। वहीं, कांग्रेस ने कहा कि पार्टी जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ लोकसभा में लाए जा रहे प्रस्ताव का समर्थन करेगी और कांग्रेस सांसद भी उसमें हस्ताक्षर करेंगे। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने शुक्रवार को कहा कि उस समय के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को चिट्ठी भेजकर सांसदों को यह कदम उठाने को मजबूर किया। रमेश ने कहा- ये प्रस्ताव महाभियोग नहीं, बल्कि 1968 के जजेज (इन्क्वायरी) एक्ट के तहत जांच समिति गठित करने के लिए है। यह समिति जांच कर रिपोर्ट देगी और फिर संसद में कार्रवाई होगी।

राहुल बोले-सरकार जीजाजी को 10 साल से परेशान कर रही

नई दिल्ली ,एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को एक्स पर लिखा, सरकार पिछले दस साल से मेरे जीजाजी (रॉबर्ट वाड्रा) को परेशान कर रही है। यह चार्जशीट उसी षडयंत्र का हिस्सा है। उन्होंने लिखा, मैं रॉबर्ट, प्रियंका और उनके बच्चों के साथ हूं, क्योंकि उन्हें राजनीतिक रूप से प्रेरित बदनामी और उत्पीड़न झेलना पड़ रहा है। मुझे पता है कि वे बहादुर हैं और वे पूरी गरिमा से इसका सामना करते रहेंगे। आखिर में सच्चाई की जीत होगी। राहुल का यह बयान उस वक्त आया है, जब एन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट ने गुरुवार

को गुरुग्राम लैंड डील केस से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रॉबर्ट के खिलाफ चार्जशीट पेश की थी। यह पहली बार है कि जब किसी जांच एजेंसी ने वाड्रा के खिलाफ किसी आपराधिक मामले में चार्जशीट दायर की है।

भारत में रूसी महिला बच्चे के साथ लापता

नई दिल्ली ,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को बच्चे की कस्टडी से जुड़े एक अनोखे केस में एक रूसी महिला के लिए लुकआउट नोटिस जारी करने का निर्देश दिया है। महिला 7 मई से बच्चे को लेकर गायब है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और दिल्ली सरकार से दोनों को ढूंढने का आदेश दिया है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा कि रूसी महिला विक्टोरिया देश छोड़कर नहीं जानी चाहिए। कोर्ट ने मां और बच्चे को ढूंढकर, बच्चे को उसके भारतीय पिता सैकत बसु को सौंपने का आदेश दिया। कोर्ट को बताया गया कि रूसी महिला और बच्चा जंगल में गायब हो गए हैं।सैकत और उनके परिवार को शक है कि विक्टोरिया भारत की जासूसी करके रूस लौटना चाह रही थी। वह 2019 से भारत में रह रही है। वह एक्स-1 वीजा पर भारत आई थी। सैकत बसु चीन में एक सॉफ्टवेयर कंपनी में इंजीनियर थे। वहां उसकी मुलाकात रूसी महिला विक्टोरिया से हुई। दोनों ने भारत आकर 2017 में शादी कर ली। 2020 में कपल का एक बेटा हुआ।कपल ने कुछ साल बाद अलग होने का फैसला किया। दिल्ली की फैमिली कोर्ट में दोनों का तलाक केस चल रहा है। पति का आरोप है कि बच्चे की कस्टडी के लिए एक समझौता हुआ था, जिसके तहत बेटा हफ्ते में तीन दिन अपनी मां के साथ रहेगा। कपल बच्चे की जॉइंट कस्टडी के तहत दिल्ली में अलग-अलग घरों में रह रहे थे। बच्चे की बेहतर परवरिश को लेकर कपल एक-दूसरे पर आरोप लगाते रहते थे। बच्चे की कस्टडी को लेकर दोनों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका भी लगाई थी

दिल्ली के 45,बेंगलुरु के 50 स्कूलों में बम की धमकी

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली और बेंगलुरु में शुक्रवार सुबह 80 से ज्यादा स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। दिल्ली के 45 से ज्यादा स्कूलों को धमकी भरा ईमेल भेजा गया। इनमें पीतमपुरा, द्वारका, पश्चिम विहार, रोहिणी, संगम विहार, समेत दूसरे इलाकों के स्कूल शामिल हैं।

सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ता और फायर सर्विस की टीमें स्कूल पहुंची हैं। सावधानी के तौर पर स्कूलों को तुरंत खाली करा लिया गया और तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया। इनके अलावा, दिल्ली यूनिवर्सिटी के 3 कॉलेजों को भी बम की धमकी मिली है। राजधानी दिल्ली में 5 दिन के भीतर बम धमकी का यह चौथा मामला है। इससे पहले 14 जुलाई को दो, 15 जुलाई को तीन, 16 जुलाई को करीब 10 स्कूलों और दिल्ली यूनिवर्सिटी के सेंट स्टीफन्स कॉलेज को धमकी मिली थी। वहीं बेंगलुरु के भी 50 स्कूलों को बम की धमकी दी गई है। पुलिस ने बताया कि यूजर ने सुबह 7.24 बजे 50 स्कूलों की ईमेल आईडी पर स्कूल के अंदर बम होने का मेल भेजा। सूचना मिलते ही पुलिस और बम निरोधक दस्ता अलग-अलग स्कूलों में जाकर जांच

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में कहा- हम चाहते हैं महिला सुरक्षित लौटे

नई दिल्ली ,एजेंसी। यमन में मौत की सजा का सामना कर रही केरल की नर्स निमिषा प्रिया को लेकर सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को सुनवाई हुई। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि, वे चाहते हैं कि महिला सुरक्षित वापस आए। सरकार हर संभव मदद कर रही है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच में सरकार की तरफ से अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी पेश हुए। उन्होंने कहा- निमिषा को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। उधर याचिकाकर्ता संगठन सेव निमिषा प्रिया इंटरनेशनल एक्शन काउंसिल ने कोर्ट से अपील की है। उन्हें निमिषा को बचाने के लिए यमन जाने दिया जाए। इस पर कोर्ट ने कहा, आप केंद्र से संपर्क करें। हम इस पर कुछ नहीं कहेंगे। अगली सुनवाई 14 अगस्त को होगी। इससे पहले 14 जुलाई को हुई सुनवाई में कोर्ट ने कहा था कि मामला बहुत संवेदनशील है। अगर भारतीय नर्स यमन में जान गंवाती है तो यह दुखद होगा।

अंतरिक्ष से लौटकर शुभांशु चलना सीख रहे

लखनऊ ,एजेंसी। अंतरिक्ष में 18 दिन रहकर लौटे लखनऊ के एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला अब डॉक्टरों की निगरानी में हैं। उन्होंने गुरुवार को तस्वीरें शेयर करते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा- अंतरिक्ष से लौटकर अब फिर से चलना सीख रहा हूं। जैसे धरती से अंतरिक्ष में जाने पर कई तरह के बदलाव होते हैं। उसी तरह के बदलाव लौटने के बाद भी होते हैं। अंतरिक्ष से लौटने के बाद सीधा चलना भी चुनौती बन जाता है। शरीर की प्रतिक्रिया धीमी हो जाती है। संतुलन बिगड़ता है। इन सबसे मानसिक तनाव भी होता है, लेकिन ये सभी बदलाव अस्थायी होते हैं। समय के साथ शरीर खुद को फिर से संतुलित कर लेता है। एक्सियम मिशन 4 के तहत 25 जून को शुभांशु शुक्ला सहित चार एस्ट्रोनॉट इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिए रवाना हुए थे। 26 जून को भारतीय समयानुसार शाम 4:01 बजे आईएसएस पहुंचे थे।

हमीरपुर के अरुण ने फतेह की लद्दाख की चोटी

सुजानपुर ,एजेंसी। हमीरपुर के नादौन क्षेत्र के जोल सप्पड़ पंचायत के कोहला पलासडी गांव के पर्वतारोही अरुण कुमार ने एक और उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने लद्दाख की 6400 मीटर ऊंची चोटी माउंट कांग यास्ते पर तिरंगा फहराया है। अरुण 24 जून को लेह पहुंचे थे। समुद्र तल से अधिक ऊंचाई के कारण उन्होंने 14 दिन लेह में रहकर अपने शरीर को वहां के मौसम के अनुकूल बनाया। इसके बाद कठिन यात्रा करते हुए वह कांग यास्ते पर्वत के बेस कैंप तक पहुंचे। यात्रा के दौरान उन्हें ठंडी हवाओं और प्रतिकूल मौसम का सामना करना पड़ा। 13 जुलाई को सुबह 8:30 बजे अरुण ने चोटी पर पहुंचकर तिरंगा फहराया। उन्होंने बताया कि इससे पहले 2024 में 7075 मीटर ऊंची माउंट स्नोपंथ पर भी तिरंगा फहरा चुके हैं। उनका लक्ष्य विश्व के सभी

सात महाद्वीपों की सबसे ऊंची चोटियों पर तिरंगा फहराना है।अरुण के अनुसार बर्फीले पहाड़ों पर दिन में चढ़ाई करना मुश्किल होता है। धूप के कारण बर्फ पिघलने लगती है, इसलिए दुर्गम पहाड़ों की चढ़ाई रात में की जाती है। उनके पिता राज कुमार सेना से सेवानिवृत्त हैं और माता अर्चना देवी गृहिणी हैं। उनका बड़ा भाई वर्तमान में सेना में सेवारत है। जोल सप्पड़ पंचायत के उपप्रधान संतोष कुमार ने कहा कि अरुण की इस उपलब्धि पर पूरी पंचायत को गर्व है। पंचायत उनके घर लौटने पर उनका सम्मान करेगी।

शराब घोटाला-5 दिन की ईडी रिमांड पर चैतन्य बघेल

रायपुर ,एजेंसी। भिलाई से ईडी की टीम ने भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य को गिरफ्तार किया है। चैतन्य को रायपुर की स्पेशल कोर्ट ने 22 जुलाई तक ईडी की रिमांड पर भेजा है। छत्तीसगढ़ के भिलाई में प्रवर्तन निदेशालय ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हुई है। ईडी ने चैतन्य बघेल को रायपुर की स्पेशल कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने चैतन्य को 22 जुलाई तक ईडी की 5 दिन की रिमांड पर भेजा है। कोर्ट में भूपेश बघेल, चरणदास महंत, मोहम्मद अकबर समेत कई बड़े नेता मौजूद रहे। इसके पहले भूपेश बघेल ने ङ्क पर पोस्ट कर लिखा- ईडी आ गई। आज विधानसभा सत्र का अंतिम दिन है। अडाणी के लिए तमनार में काटे जा रहे पेड़ों का मुद्दा आज उठाना था। भिलाई निवास में साहेब ने ईडी भेज दी है।

नई पार्टी का ऐलान कर सकते हैं तेजप्रताप यादव

पटना। तेजप्रताप यादव अभी समस्तीपुर के हसनपुर से विधायक हैं थोड़ी देर में आरजेडी प्रमुख लालू यादव के बड़े बेटे तेजप्रताप प्रेस कॉन्फ्रेंस करने जा रहे हैं। माना जा रहा कि वे अपनी नई पार्टी बनाने की घोषणा कर सकते हैं।

आरजेडी और परिवार से निकाले जाने के बाद तेजप्रताप यादव पटना स्थित अपने सरकारी आवास पर रह रहे हैं। वहीं पर वे लगातार अपने समर्थकों के साथ बैठक कर आगे की रणनीति तैयार कर रहे हैं। 10 जुलाई को तेजप्रताप यादव वैशाली के महुआ पहुंचे थे। उस दौरान उन्होंने अपनी गाड़ी से आरजेडी का झंडा हटाकर दूसरा झंडा लगा दिया था, जिसमें लालू यादव की तस्वीर नहीं थी। महुआ में तेजप्रताप ने अपने समर्थकों के साथ बैठक भी की थी। इस विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने के संकेत दिए थे। फिलहाल वे समस्तीपुर के हसनपुर से विधायक हैं। हालांकि, वे 2015 से 2020 तक महुआ से भी विधायक रह चुके हैं। इस सीट पर उनका लगातार फोकस बना हुआ है। लालू यादव के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव 30 जून को बाइक से अनुष्का यादव के घर पहुंचे।

बिहार में हर महीने 125 यूनिट मुफ्त बिजली के ऐलान पर बोले नीतीश कुमार, कहा- प्रधानमंत्री की सलाह पर की घोषणा

नई दिल्ली ,एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को यह कहा कि राज्य में 125 यूनिट मुफ्त बिजली देने का निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सलाह के अनुरूप लिया गया है। जनता दल यूनाइटेड (जदयू)अध्यक्ष कुमार ने यह टिप्पणी पूर्वी चंपारण जिले के मुख्यालय मोतिहारी शहर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए की। इस जनसभा में उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के साथ मंच साझा किया। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर 7,000 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं की शुरुआत की। बिहार के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड बनाने वाले कुमार ने बृहस्पतिवार को राज्य में हर महीने 125 यूनिट मुफ्त बिजली देने की घोषणा की थी।

मुख्यमंत्री ने जनसभा में कहा, ''लोगों को अब बिजली के लिए कोई भुगतान नहीं करना होगा। सर (प्रधानमंत्री) के जाने के बाद, हम वापस (पटना में) आएंगे और आवश्यक मंजूरी देंगे। यही कारण है कि आज दिन में बाद में कैबिनेट की बैठक बुलाई गई है। कुमार ने आगामी विधानसभा चुनाव जीतने और लगातार पांचवीं बार सत्ता में आने का भरोसा जताया है। उन्होंने कहा, ''हम उनका बहुत सम्मान करते हैं और हम उनकी सलाह के अनुरूप काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के साथ मुख्यमंत्री कुमार के कई वर्षों में उतार-चढ़ाव वाले संबंध रहे हैं। प्रधानमंत्री ने नीतीश की टिप्पणी का हाथ जोड़कर जवाब दिया। सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सैद्धांतिक रूप से मुफ्त की योजनाओं के खिलाफ रही है। हालांकि, उसकी इस घोषणा को राष्ट्रीय जनता दल (राजग) नीत विपक्षी 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस(इंडिया गठबंधन) की ओर से सत्ता में आने पर '200 यूनिट मुफ्त बिजलीदेने के वादे के जवाब के रूप में देखा जा रहा है।

स्पोर्ट कॉम्पलेक्स निर्माण की सतत निगरानी के लिये होगा अधिकारी नियुक्त

भोपाल ,एजेंसी। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने निर्देश दिये हैं कि खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स निर्माण के अधोसंरचना कार्यों की सतत निगरानी के लिए विभागीय स्तर पर एक अधिकारी की नियुक्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि निर्माण की गुणवत्ता, समयबद्धता तथा उपयोगिता सुनिश्चित करने के लिए यह आवश्यक कदम होगा। मंत्री श्री सारंग गुरुवार को भोपाल के बरखेड़ा नाथू स्थित अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स के प्रथम एवं द्वितीय चरण के अंतर्गत प्रगतिशील निर्माण कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की स्थिति तथा निर्माण कार्यों की वर्तमान प्रगति की समीक्षा भी की गई।

मंत्री श्री सारंग ने निर्देश दिए कि संपूर्ण परिसर में साइनेजेस की स्पष्ट एवं सुव्यवस्थित व्यवस्था के लिए एक समर्पित प्रोजेक्ट प्लान तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि कॉम्पलेक्स के सुचारु संचालन एवं विभिन्न राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए प्रशासनिक भवन, सर्वर रूम, आईटी रूम तथा एक आधुनिक ऑडिटोरियम के निर्माण की ठोस कार्य-योजना तैयार की जाए। मंत्री श्री सारंग ने बिजली, जल आपूर्ति, स्वच्छता जैसी मूलभूत सुविधाओं से संबंधित उपकरणों की खरीदी के पहले विभागीय अनुमोदन अनिवार्य रूप से प्राप्त करने के निर्देश भी दिए।

मंत्री श्री सारंग ने द्वितीय चरण के अंतर्गत निर्माण गतिविधियों की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि खिलाड़ियों एवं आगंतुकों की सुविधा के लिये परिसर के अंदर ही एक उपयुक्त स्थान पर कैफेटेरिया

का निर्माण किया जाए। मंत्री श्री सारंग ने निर्देश दिए कि निर्माण एजेंसी द्वारा किसी भी संबद्ध एजेंसी को देय भुगतान से पहले खेल विभाग से अनापत्ति प्रमाण-पत्र (एनओसी) प्राप्त किया जाना अनिवार्य होगा। उन्होंने विद्युत व्यवस्था, अग्नि सुरक्षा, साइनेजेस, प्रशासनिक भवन एवं परिसर में किए जाने वाले हॉर्टिकल्चर कार्यों के लिए अलग से प्रोजेक्ट प्लानिंग रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिये।बैठक में बताया गया कि कॉम्पलेक्स परिसर के सभी ब्लॉकों में दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों की समुचित पार्किंग की व्यवस्था की जा रही है। अग्नि सुरक्षा के दृष्टिकोण से फायर सेफ्टी उपकरणों की स्थापना मानकों के अनुरूप की जा रही है। परिसर में एक अतिरिक्त प्रवेश द्वार का निर्माण किया जा रहा है, जिससे आमजन, फायर ब्रिगेड तथा पार्किंग क्षेत्रों तक सुविधाजनक पहुंच सुनिश्चित हो सकेगी। इस द्वार से शूटिंग अकादमी की दिशा में बाउंड्री वॉल के समांतर सड़क का निर्माण भी प्रस्तावित है।

बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री मनु श्रीवास्तव, खेल एवं युवा कल्याण संचालक श्री राकेश गुप्ता, संयुक्त संचालक श्री बी.एस. यादव, निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग के 5 केन्द्रीय पुस्तकालय संचालित

भोपाल,एजेंसी। स्कूल शिक्षा विभाग नागरिकों और विद्यार्थियों की सुविधा के लिये 5 केन्द्रीय पुस्तकालय और 36 जिलों में जिला पुस्तकालय संचालित कर रहा है। इन पुस्तकालयों में पाठकों के लिये अनेक उपयोगी पुस्तकें उपलब्ध हैं। विभाग द्वारा अनुदान के साथ स्वामी विवेकानंद लायब्रेरी (पूर्व में ब्रिटिश लायब्रेरी) भोपाल भी संचालित की जा रही है।

शासकीय मौलाना आजाद केन्द्रीय पुस्तकालय भोपाल साहित्यिक पुस्तकों के भण्डार एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये प्रसिद्ध पुस्तकालय है, जहाँ पाठकों को न्यूनतम शुल्क पर अधिकतम सुविधाएँ प्रदान की जा रही हैं। वर्तमान में पुस्तकालय में लगभग एक लाख से अधिक पुस्तकें हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, उर्दू, अरबी, फारसी आदि भाषाओं में उपलब्ध हैं। इसके साथ ही विभिन्न मासिक पत्रिका, समाचार-पत्र, इंटरनेट सुविधा, निःशुल्क सेमिनार आदि की सुविधा भी इस पुस्तकालय में उपलब्ध है। पुस्तकालय में 3 रीडिंग हॉल में 600 पाठक बैठकर अध्ययन कर सकते हैं। इस वर्ष मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम द्वारा पुस्तकालय में मरम्मत एवं विकास कार्य किये गये हैं। पुस्तकालय में अध्ययन सुविधा के लिये 32 केबिन मॉडल स्टडी रूम का भी विकास किया जा रहा है। पुराने भोपाल में इस पुस्तकालय को सेंट्रल लायब्रेरी के नाम से भी जाना जाता है। स्थानीय नागरिकों में पुस्तक एवं पुस्तकालय के प्रति रुचि पैदा करने के उद्देश्य से निःशुल्क पुस्तक मेले का आयोजन भी किया गया है। पुस्तकालय में महिला स्व-सहायता समूह को दीदी केंटीन के संचालन का कार्य भी दिया गया है। अहिल्यादेवी केन्द्रीय पुस्तकालय इंदौर, शासकीय केन्द्रीय पुस्तकालय ग्वालियर, शासकीय केन्द्रीय पुस्तकालय जबलपुर और शासकीय केन्द्रीय पुस्तकालय रीवा का भी संचालन किया जा रहा है।

मीटर रीडिंग में गड़बड़ी करने वाले 2 मीटर रीडर की सेवाएं समाप्त

भोपाल ,एजेंसी। रायसेन वृत्त में विद्युत मीटर रीडिंग के दौरान गड़बड़ी करने वाले 2 मीटर रीडरों की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। साथ ही 14 मीटर रीडरों को कार्य में लापरवाही के लिये नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। रायसेन वृत्त के महाप्रबंधक श्री प्रदीप सिंह चौहान ने बताया कि कार्य में लापरवाही बरतने के आरोप में सिलवानी वितरण केन्द्र के मुआर पाठ सब स्टेशन के मीटर रीडर श्री दीपक जाटव तथा सेवांस्त्री सब स्टेशन के मीटर रीडर श्री अंकित सेन की सेवा समाप्त कर दी गई है। साथ ही ऐसे मीटर रीडर जिनका परफॉर्मेंस लक्ष्य के अनुरूप नहीं पाया गया, इन 14 मीटर रीडरों को आउटसोर्स एजेंसी के माध्यम से नोटिस जारी किये गये हैं।

सांदीपनि और आईसीटी लैब वाले विद्यालयों को मिली कौशल विकास पुस्तिका

भोपाल। प्रदेश में संचालित सांदीपनि और आईसीटी लैब विद्यालयों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को कम्प्यूटर कौशल से जुड़ी जानकारी पर आधारित पुस्तिका स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जा रही है। यह पुस्तिका कक्षा 6 से कक्षा 8 तक के विद्यार्थियों के लिये उपयोगी है। इन पुस्तकों का प्रकाशन पाठ्यपुस्तक निगम से कराया गया है। आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय ने विद्यार्थियों के बीच पुस्तिका के वितरण के संबंध में समस्त जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश जारी किये है। लोक शिक्षण संचालनालय ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 में अतिथि शिक्षकों को शत प्रतिशत ई-अटेंडेन्स हमारे शिक्षक एप के माध्यम से दर्ज करने के निर्देश जारी किये है। निर्देश में कहा गया है कि यह व्यवस्था प्रदेश में अनिवार्य रूप से लागू होगी।

जल संसाधन मंत्री सिलावट ने केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री यादव से की भेंट

भोपाल ,एजेंसी। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने नई दिल्ली में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव से मुलाकात की। मंत्री श्री सिलावट ने केंद्रीय मंत्री से प्रदेश की आठ सिंचाई परियोजनाओं की वन एवं पर्यावरण स्वीकृति के लिए अनुरोध किया। केन्द्रीय मंत्री श्री यादव ने सहमति देते हुए तत्संबंधी कार्रवाई करने के अधिकारियों को निर्देश दिए। मंत्री श्री सिलावट ने इसके लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं केंद्रीय मंत्री श्री यादव को धन्यवाद दिया।

मंत्री श्री सिलावट ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि कृषि को लाभ का व्यवसाय बनाने का जो सपना प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने देखा है उसको पूरा करने और प्रदेश के हर किसान के खेत तक सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मध्यप्रदेश जल संसाधन विभाग प्रतिबद्ध है।

मध्यप्रदेश की जिन सिंचाई परियोजनाओं को केंद्र द्वारा वन एवं पर्यावरण संबंधी सहमति प्रदान की गई है उनमें मां रतनगढ़ बहुउद्देशीय परियोजना डबरा (दतिया), लोअर ओर वृहद परियोजना अशोक नगर एवं शिवपुरी, चेंटीखेड़ी परियोजना श्योपुर, मुंझिरी वृहद परियोजना श्योपुर, कोपरा मध्यम सिंचाई परियोजना सागर, छिंदवाड़ा कांप्लेक्स बैलेंसिंग रिजर्वॉयर छिंदवाड़ा, सोनखेड़ी लघु सिंचाई परियोजना बड़वानी और दामखेड़ा लघु सिंचाई योजना खरगोन शामिल है।

ऊर्जा मंत्री तोमर ने किया अस्पताल और वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण

भोपाल ,एजेंसी। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बुधवार की मध्य रात्रि ग्वालियर में सिविल अस्पताल हजीरा, बिरला नगर और वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट मोतीझील का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने गंदा वॉशरूम देखकर स्वयं सफाई की। साथ ही सम्बन्धित अधिकारियों को सफाई व्यवस्था दुरस्त रखने के लिए निर्देशित किया।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने हजीरा सिविल अस्पताल में गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती मरीजों का हालचाल जाना। उन्होंने सिविल अस्पताल बिरला नगर का भी निरीक्षण किया।

ऊर्जा मंत्री को उप नगर ग्वालियर के अलग-अलग क्षेत्रों से गंदे पानी की आपूर्ति की शिकायतें मिल रही थीं। उन्होंने बुधवार देर रात अचानक

मोतीझील प्लांट पहुंचकर जल आपूर्ति की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस दौरान ड्यूटी पर जिम्मेदार अधिकारियों के न मिलने पर निगमायुक्त श्री संघप्रिय से फोन पर चर्चा कर नाराज़गी व्यक्त की और कार्यवाही के निर्देश दिए। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने ड्यूटी से गायब अधिकारियों की अनुपस्थिति का पंचनामा बनाकर विभाग को भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने मौजूद स्टाफ से बुधवार को की गई जल आपूर्ति के सैंपलों की जांच की जानकारी ली। इस दौरान श्री तोमर ने पानी को फिल्टर करने की प्रक्रिया को देखा। उन्होंने की जा रही जल आपूर्ति लोगों के लिए नुकसानदायक तो नहीं है की जानकारी ली। मंत्री श्री तोमर को उपस्थित कर्मियों ने बताया कि पानी के दिन में दो से तीन बार नमूने (सैंपल) लेकर जांच की जा रही है।

जल आपूर्ति तय मानकों के

भारत-इथियोपिया कौशल सहयोग को मिलेगी नई दिशा

भोपाल ,एजेंसी। भारत-इथियोपिया कौशल विकास सहयोग को नई दिशा देने की मंशा से इथियोपिया का 10 सदस्यीय उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भोपाल स्थित संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क (स्स्त्रत्नस्क्) पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल से औपचारिक मुलाकात की और मध्यप्रदेश सरकार की ओर से मिल रहे सहयोग के लिए आभार जताया। प्रतिनिधिमंडल ने परिसर का भ्रमण किया और यहां संचालित उच्च स्तरीय प्रशिक्षण सुविधाओं का अवलोकन किया।

प्रतिनिधिमंडल का यह दौरा इथियोपिया में तर्ज पर एक आधुनिक, विश्वस्तरीय और रोजगारोन्मुख कौशल विकास संस्थान की स्थापना के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। प्रतिनिधिमंडल में इथियोपिया के मिनिस्ट्री ऑफ लेबर एंड स्किल्स, बायबोन कंसल्टेंट्स पीएलसी, टीएनटी कंस्ट्रक्शन एंड ट्रेडिंग तथा आर्किटेक्कर एंड इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स पीएलसी जैसे संस्थानों से जुड़े अधिकारी

शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल में आलेमायाहू वोयिमो कोमिबामो, गेतीनेट तिलाहुन गेडा, आमलाकू आलेबाच्यू अनले, तेस्फाये तिलाहुन येहुलावर्क, हबतामू देसालेग्न सिफिर, मेधाने गेब्रहीवोत गेब्रेसलासी, कस्साहुन मामो वोंडिमू, हाफतोम गेब्रेयेसुस काहासाय, अस्साये देस्ता तादेसे और किन्फे त्सिगे गेब्रेग्जियाबेर शामिल थे।

राज्य मंत्री श्री गौतम टेटवाल ने कहा कि इथियोपिया के प्रतिनिधिमंडल का यह दौरा संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क की अंतरराष्ट्रीय पहचान को और सशक्त करेगा।

भारत और इथियोपिया के बीच व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास

बच्चों को समय-समय पर प्रतिभा प्रदर्शित करने मंच प्रदान किया जाना चाहिए-मंत्री भूरिया

भोपाल ,एजेंसी। महिला-बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया की उपस्थिति में भोपाल स्थित जवाहर बाल भवन में मुख्यमंत्री बाल खेल एवं सांस्कृतिक महोत्सव 2025 का समापन समारोह आयोजित हुआ। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बच्चों को समय-समय पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच मिलना चाहिए। यह मंच केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि उनके आत्मविश्वास, रचनात्मकता और नेतृत्व क्षमता को विकसित करने का अवसर है। कार्यक्रम में सुश्री भूरिया ने प्रतिभागी बच्चों के आत्मविश्वास और उत्साह की

प्रशंसा करते हुए कहा कि यह आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक सराहनीय पहल है।

उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के इस अभिनव प्रयास की भी सराहना की और बच्चों को सीखने, आनंद लेने और एक-दूसरे से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उल्लेखनीय है कि महोत्सव के तहत 20 जून से 20 जुलाई 2025 तक प्रदेशभर में संचालित बालगृहों में खेल और सांस्कृतिक प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। जिले और संभाग स्तर पर संपन्न इन प्रतियोगिताओं में 6 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों ने भाग लिया। कुल मिलाकर 40 विधाओं में 286 प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। भोपाल और नर्मदापुरम संभाग के 8 बालगृहों से आए बच्चों के बीच विविध आयु वर्गों में खेल जैसे लॉन्ग जंप, 100 मीटर दौड़, शतरंज, खो-खो, कबड्डी, केरम और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया। संभाग स्तरीय विजेताओं को राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए चयनित किया गया है।

जिम्मेदारी के साथ कार्य करें अधिकारी-राज्यमंत्री गौर

भोपाल ,एजेंसी। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा है कि शासकीय धन का उपयोग सोच-समझकर और योजनाबद्ध तरीके से होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाएं धरातल पर उतरें, जिससे जनता को सुविधाएं मिल सकें। राज्यमंत्री श्रीमती गौर गुरुवार को मंत्रालय में राजधानी के वार्ड क्रमांक 52, 53 और 54 में हो रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा कर रही थीं। उन्होंने निर्देश दिए कि समयसीमा में सभी कार्य पूर्ण करें और लापरवाह ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करें।

राज्यमंत्री ने वार्ड 52 के

कम्फर्ट पाम कॉलोनी, रोहित नगर फेज 2 और आकृति नींव कॉलोनी में सीवेज लाइन और ट्रंकलाइन के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने अमृत 2.0 योजना के कार्यों को मानसून के बाद प्रारंभ करने पर जोर दिया। नारायण नगर कॉलोनी के बंद पड़े सम्पवेल को पुन: चालू करने तथा आंतरिक पेयजल पाइपलाइन को अमृत योजना की डीपीआर में शामिल कराने के निर्देश दिए।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने वार्ड 53 की अंजलि विहार, प्रोसपेरा कॉलोनी, रामेश्वरम डीलक्स, यशोदा गार्डन, पार्थ सारथी कॉलोनी, गुलाबी नगर और जाटखेड़ी गांव में सीवेज कार्य प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए। बल्क कनेक्शन वाली कॉलोनियों में पानी की आपूर्ति बढ़ाकर 60 हजार लीटर करने, पार्कों का विकास और नालों के सीमांकन एवं चैनलाइजेशन के लिए कार्य योजना बनाने के निर्देश भी दिए।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने वार्ड 54 के कुंजन नगर फेज 1 और 2, अग्रवाल नगर, बागसेवनिया बस्ती और अमराई क्षेत्र में बारिश से पहले सीवेज लाइन मरम्मत और नई लाइन डालने के निर्देश दिए गए।

उमा भारती बोली- चुनाव के लिए हर वक्त तैयार हूं

भोपाल ,एजेंसी। पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने कहा है कि राजनीति में अब शुचिता आ चुकी है, लेकिन अफसरशाही में अभी इसकी कमी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के आईएएस और आईपीएस अधिकारियों को भी राजनीति की तरह शुचिता अपनानी चाहिए, तभी भ्रष्टाचार पर लगाम लगेगी। राजधानी भोपाल में मीडिया से चर्चा के दौरान उमा भारती ने यह बातें कही। उन्होंने संघ प्रमुख मोहन भागवत के उस बयान पर प्रतिक्रिया दी जिसमें 75 वर्ष की उम्र के बाद सक्रिय राजनीति से दूर रहने की बात कही गई थी। उमा ने स्पष्ट किया कि उनकी उम्र अभी 75 वर्ष नहीं हुई है और इस बयान को लेकर जो भी बातें सामने आ रही हैं, वे पूरी तरह गलत और निराधार हैं। उमा भारती ने कहा कि 1990 से 1992 के दौरान जिन सरकारों का दबाव था, उस समय उन्हें प्रताड़ना का सामना करना पड़ा था। उन्होंने यह भी बताया कि 2013 में जब व्यापमं घोटाला

उजागर हुआ था, तब भी उनका नाम घसीटा गया और उन्हें उस समय भी मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। उन्होंने कहा कि वह अब अपने परिवार से पूरी तरह अलग हो रही हैं, लेकिन राजनीति में सक्रिय बनी रहेंगी। उन्होंने यह भी दोहराया कि गंगा, गोमाता और शराबबंदी को लेकर उनका संघर्ष आजीवन जारी रहेगा। उमा ने कहा कि केंद्र सरकार गंगा शुद्धिकरण के लिए काम कर रही है और मध्य प्रदेश सरकार ने भी गाय के संरक्षण के लिए प्रयास शुरू किए हैं।

राहुल नगर-हर्षवर्धन में कल बिजली कटौती

भोपाल ,एजेंसी। भोपाल के करीब 25 इलाकों में शनिवार को 2 से 7 घंटे तक बिजली कटौती होगी। इन इलाकों में बिजली कंपनी मेंटेनेंस करेगी। इसके चलते सप्लाई पर असर पड़ेगा। जिन इलाकों में बिजली बंद रहेगी, उनमें राहुल नगर, हर्षवर्धन नगर, सिंधी कॉलोनी, शाहजहांनाबाद, पुष्पा नगर, लालघाटी जैसे कई बड़े इलाके शामिल हैं। ऐसे में लोग अपने जरूरी काम पहले से निपटा लें। ताकि, बाद में परेशानी का सामना न करना पड़े। सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक मक्सी, मद्रासी बस्ती, हर्षवर्धन नगर, पंचशील नगर, राहुल नगर, बागली, पॉम विष्ठा कॉलोनी, कस्तूरी एवं आसपास के क्षेत्र। सुबह 10 से शाम 5 बजे तक लालघाटी, ईदगाह फिल्टर प्लांट, कोहेफिजा एवं आसपास। सुबह 11 से दोपहर 1 बजे तक सिंधी कॉलोनी, शाहजहांनाबाद, कबीरा अपॉर्टमेंट एवं आसपास। सुबह 11.30 से दोपहर 1 बजे तक पुष्पा नगर, कम्मू का बाग, महामाई का बाग एवं आसपास। दोपहर 12 से 2 बजे तक बिसनखेड़ी, बैरागढ़ मंडी एवं आसपास। दोपहर 1.30 से 3 बजे तक शंकराचार्य नगर, धोबी घाट एवं आसपास के इलाके।

भारी बारिश से बही सड़क, तीन गांवों के 5000 लोगों का रास्ता हुआ मुश्किल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के सिंहावल जनपद पंचायत की पोखडौर ग्राम पंचायत में शुक्रवार को भारी बारिश के कारण गोडहां गांव की मुख्य सड़क पानी के तेज बहाव में टूट कर बह गई। इस सड़क से पोखडौर, गोडहां और सरखनिया गांव जुड़े थे। अब इन तीनों गांवों की करीब 5000 की आबादी मुख्य मार्ग से कट गई है। सुबह करीब 11 बजे तेज जलधारा ने सड़क को बीच से काट दिया।

इससे गांव के लोगों का जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हुआ है। स्कूल, कॉलेज और अस्पताल जाने के लिए कोई वैकल्पिक मार्ग नहीं है। स्थानीय निवासी राम भवन शुक्ला के अनुसार, दो दिन से लगातार बारिश हो रही है। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में पुल या जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं थी। ना तो ग्राम पंचायत और ना ही प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत काम कर रहे कर्मचारियों ने पुल निर्माण की दिशा में कोई कदम उठाया। एसडीएम प्रिया पाठक ने कहा कि प्रशासन स्थिति से अवगत है। उन्होंने ग्रामीणों के लिए वैकल्पिक रास्ते की व्यवस्था करने का आश्वासन दिया है। साथ ही क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत जल्द शुरू करने की बात कही है।

खनिज प्रतिष्ठान से अनूपपुर को मिले 69.50 करोड़

120 विकास कार्यों के लिए राशि का होगा उपयोग, नेताओं से मांगे प्रस्ताव

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। जिला खनिज प्रतिष्ठान न्यास मंडल की बैठक कलेक्टर हर्षल पंचोली की अध्यक्षता में की गई। इसमें वर्ष 2024-25 के लिए खनिज प्रतिष्ठान मद से प्राप्त राशि के उपयोग पर चर्चा हुई। जिले को कुल 71.65 करोड़ रुपए प्राप्त हुए। इसमें से 3 प्रतिशत राशि शासन को भेजने के बाद 69.50 करोड़ रुपए जिले के विकास कार्यों के लिए उपलब्ध होंगे। कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि राशि का उपयोग ग्रामीण क्षेत्रों की मूलभूत सुविधाओं के विकास में किया जाए। उन्होंने पुल-पुलिया और रपटा जैसे कार्यों को प्राथमिकता देने का सुझाव दिया। साथ ही सामुदायिक भवन, सांस्कृतिक मंच, विद्यालयों में फर्नीचर, शौचालय और आंगनवाड़ी भवनों के निर्माण व मरम्मत पर जोर दिया।

पुष्पराजगढ़ विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को ने बताया कि उनके क्षेत्र में 75 आंगनवाड़ी केंद्र मरम्मत की जरूरत है। उन्होंने अमरकंटक विश्वविद्यालय से छत्तीसगढ़ सीमा तक सड़क निर्माण की मांग भी की। नगरीय निकायों के अध्यक्षों ने भी अपने क्षेत्रों की समस्याएं रखीं। कलेक्टर ने सभी जनप्रतिनिधियों से उच्च प्राथमिकता वाले कार्यों के प्रस्ताव जल्द भेजने को कहा। इससे प्रशासकीय स्वीकृति की प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जा सकेगी। जिले में इस राशि से कुल 120 प्रकार के विकास कार्य किए जाएंगे।

नवोदय विद्यालय में कक्षा 6वीं में आवेंदन की अंतिम तिथि 29 जुलाई

जिले के अधिक से अधिक बच्चों को प्रोत्साहित करने प्राचार्य ने अधिकारियों से की भेंट

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। नवोदय विद्यालय कक्षा 06 में सत्र 2025-26 के एडमिशन के लिए प्रवेश परीक्षा के फॉर्मऑन लाइन भरे जा रहे हैं। फार्म भरने की अंतिम तिथि 29 जुलाई 2025 निर्धारित की गई है। आवेदन पत्र नवोदय विद्यालय सिलेक्शन टेस्ट कक्षा छठी में फार्म बढ़ाने के लिए इस संदर्भ में नवोदय विद्यालय समिति नई दिल्ली राजेश लखानी आई.ए.एस. आयुक्त नवोदय विद्यालय समिति हेडक्वार्टर दिल्ली के डियो लेटर को कलेक्टर को हस्तांतरित करने तथा आर.के. वर्मा उपयुक्त तथा सहायक आयुक्त दीक्षा ज्योति मिश्रा, लेखराज मीणा एवं डी.के. सिंह क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल के डायरेक्शन में विद्यालय के प्राचार्य डॉ. डीके त्रिपाठी और जेएनवीएसटी इंचार्ज सुधीर सरोज ने जिला कलेक्टर कार्यालय के अपर कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंशुमन राज एवं जिला शिक्षा अधिकारी पवन कुमार सिंह, डी.पी.सी. राजेश कुमार तिवारी, असिस्टेंट डायरेक्टर एजुकेशन ओशो उत्सव और ए.पी.सी. सुजीत कुमार मिश्रा, प्रवीण कुमार शुक्ला एडी.पी. सी. से मिलकर विद्यालय के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को प्रवेश के लिए डियो लैटर जिला कलेक्टर को हस्तांतरित किया गया।

साथ ही हाई स्कूल खैरा ब्लॉक सिहावल सीधी के विद्यालय को भी विजिट किया जिसमें प्राचार्य अनुज कुमार तिवारी और उनके अधीनस्थ कृष्णा कुमार द्विवेदी और अमित सिंह बघेल उनके स्टाफएवं कक्षा पांचवी और दसवीं के विद्यार्थियों को अधिक से अधिक फॉर्म भरने के लिए प्रेरित किया गया।

उच्च न्यायालय के आदेश पर मझगवां स्वास्थ्य केंद्र के देखभालकर्ता को पद से हटाया गया

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मझगवां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पोषण पुनर्वास केंद्र में देखभालकर्ता के पद पर कार्यरत रूपेंद्र सिंह राजू को उच्च न्यायालय के आदेश पर पद से हटा दिया गया। यह पद महिलाओं के लिए आरक्षित था, लेकिन रूपेंद्र सिंह अब तक इस पद पर कार्यरत थे। कु. अन्नपूर्णा पांडेय की याचिका पर उच्च न्यायालय ने 26 जून 2025 को जिला चिकित्सा अधिकारी और स्काई बुल सुरक्षा सेवा को अन्नपूर्णा को नियुक्त करने का निर्देश दिया। इसके बाद स्काई बुल सुरक्षा सेवा ने 20 दिन बाद, 17 जुलाई 2025 को अन्नपूर्णा की नियुक्ति का आदेश जारी किया।

अनियंत्रित हाईवा पेड़ से टकराया, ड्राइवर घायल

जेसीबी की मदद से रेस्क्यू,10 किमी की सड़क खराब, आश्वासन के बाद भी कार्रवाई नहीं

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के रामपुर नैकिन जनपद के बगेंहा में एक हाईवा अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गया। हादसे में ड्राइवर गंभीर रुप से घायल हो गया। घटना शुक्रवार दोपहर 3:30 बजे की है।

जेसीबी की मदद से हाईवा को हटाया गया: एक्सीडेंट के बाद स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर जेसीबी की मदद से हाईवा को हटाने की कोशिश की। घायल ड्राइवर को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। अभी तक ड्राइवर की पहचान नहीं हो पाई है। यह सड़क लगभग 10 किलोमीटर लंबी है और सालों से क्षतिग्रस्त स्थिति में है। सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर लीला साहू ने कई बार वीडियो पोस्ट कर इस सड़क की समस्या को सरकार के सामने रखा है।

आश्वासन के बावजूद नहीं शुरू हुआ काम: पीडब्ल्यूडी मंत्री, स्थानीय सांसद, कांग्रेस विधायक और पूर्व नेता प्रतिपक्ष ने इस सड़क के लिए आश्वासन दिए। लेकिन अभी तक कोई काम शुरू नहीं हुआ है। खड्डी चौकी प्रभारी नीरज साकेत ने बताया कि सड़क की स्थिति बेहद खराब है। यहां आए दिन वाहन अनियंत्रित होते हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ट्रैक्टर के नीचे दबने से किसान की मौत, खेत जुताई करते समय कीचड़ में फंसा

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। ब्यौहारी थाना क्षेत्र के देवराव गांव में खेत की जुताई के दौरान एक दुखद घटना सामने आई है। चालक सुदीप साहू की ट्रैक्टर पलटने से मौत हो गई। घटना मुनिराज सिंह के खेत में हुई। सुदीप साहू ट्रैक्टर से कल्टीवेटर लगाकर जुताई कर रहा था। लगातार बारिश के कारण मिट्टी गीली थी। ट्रैक्टर का पहिया कीचड़ में फंस गया।

चालक ने जब ट्रैक्टर को निकालने का प्रयास किया, तभी इंजन अनियंत्रित होकर उसके ऊपर पलट गया। स्थानीय लोग मदद के लिए दौड़े। उन्होंने चालक को बचाने का प्रयास किया। लेकिन वह इंजन के नीचे से सुदीप को नहीं निकाल पाए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। उप निरीक्षक मोहन पड़वार के नेतृत्व में पुलिस ने शव को इंजन से बाहर निकलवाया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। बारिश के मौसम में खेतों में जुताई का काम चल रहा है। किसान ट्रैक्टर से खेतों की जुताई करवा रहे हैं।

नशे से दूरी है जरूरी - सीधी में हुआ संयुक्त जागरूकता एवं संकल्प कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी एवं पुलिस अधीक्षक डॉ रविन्द्र वर्मा के निर्देशन तथा सामाजिक न्याय विभाग के प्रभारी अशोक तिवारी के मार्गदर्शन में पुलिस विभाग सीधी एवं सामाजिक न्याय विभाग सीधी के संयुक्त तत्वावधान में ष्नशे से दूरी है जरूरीष् विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मडरिया बंसल बस्ती एवं साकेत बस्ती में आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य समाज में नशा मुक्ति के प्रति जनजागरूकता फैलाना और लोगों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराना था।

कार्यक्रम का आयोजन सीधी जिले के पुलिस उप अधीक्षक अमन मिश्रा के मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देशन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में थाना प्रभारी कोतवाली कन्हैया सिंह बघेल, थाना प्रभारी जमोड़ी पुष्पेंद्र सिंह एजेके थाना प्रभारी रामलोटन साकेत, पुलिस विभाग के अन्य अधिकारीगण एवं दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र से शिवांसु शुक्ला विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर वक्ताओं ने स्थानीय नागरिकों को नशे की लत के सामाजिक, मानसिक एवं शारीरिक दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही, सामाजिक न्याय विभाग द्वारा चलाई जा रही नशा मुक्ति योजनाओं एवं पुनर्वास सेवाओं की जानकारी भी साझा की गई, जिससे लोग इन योजनाओं का लाभ उठा सकें।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी नागरिकों को नशा न करने और समाज को नशा मुक्त बनाने का संकल्प भी दिलाया गया। इस प्रेरणादायक पहल ने उपस्थित लोगों को गहराई से प्रभावित किया और उन्हें सकारात्मक बदलाव के लिए प्रेरित किया। स्थानीय नागरिकों ने इस प्रयास का गर्मजोशी से स्वागत किया और नशा मुक्त समाज की दिशा में इस प्रकार की पहलों को निरंतर जारी रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

खरीफ फसलों का बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। उपसंचालक कृषि संजय श्रीवास्तव ने जानकारी देकर बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफफसलों का बीमा कराने की अन्तिम तिथि 31 जुलाई 2025 है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत मौसम, सूखा, बाढ़, ओलावृष्टि आदि प्राकृतिक आपदाओं से यदि किसानों की फसल खराब होती है तो इस स्थिति में फसल को होने वाले नुकसान की छतिपूर्ति की जाती है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत समस्त ऋणी व अऋणी किसान 31 जुलाई 2025 तक फसलों का बीमा करा सकते हैं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में पटवारी हल्का स्तर पर अरहर, मक्का एवं धान, तहसील स्तर पर तिल, ज्वार एवं कोदो कुटकी तथा जिला स्तर पर उड़द एवं मूंग फसलों को अधिसूचित किया गया है। किसानों के लिए खरीफ मौसम में प्रीमियम दर अनाज, तिलहन, दलहन सभी फसलों के लिए बीमित राशि का 2 प्रतिशत या वास्तविक दर जो भी कम हो देय होगी।

उप संचालक कृषि श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत धान सिंचित फसल की बीमाधन राशि प्रति हेक्टेयर 42 हजार 900 रुपये है जिसकी 2 प्रतिशत बीमाकंन राशि 858 रुपये है, धान असिंचित फसल की प्रति हेक्टेयर बीमाधन राशि 32 हजार 400 रुपये है जिसकी 2 प्रतिशत बीमाकंन राशि 648 रुपये है। अरहर फसल की प्रति हेक्टेयर बीमाधन राशि 30 हजार 600 रुपये है जिसकी 2 प्रतिशत बीमाकंन राशि 612 रुपये है, मक्का फसल की प्रति हैक्टेयर बीमाधन राशि 31 हजार 350 रूपये है जिसकी 2 प्रतिशत बीमांकन राशि 627 रूपये है मूंग फसल की प्रति हैक्टेयर बीमाधन राशि 24 हजार 100 रूपये हैं जिसकी 2 प्रतिशत बीमांकन राशि 482 रूपये हैं उड़द फसल की प्रति हैक्टेयर बीमाधन राशि 23 हजार 50 रूपये है जिसकी 2 प्रतिशत बीमांकन राशि 461 रूपये हैं तिल फसल की प्रति हैक्टेयर बीमाधन राशि 24 हजार 780 रूपये हैं जिसकी 2 प्रतिशत बीमांकन राशि 495.60 रूपये हैं ज्वार फसल की प्रति हैक्टेयर बीमाधन राशि 23 हजार 923 रूपये हैं जिसकी 2 प्रतिशत बीमांकन राशि 478.46 रूपये है, कोदो कुटकी फसल की प्रति हैक्टेयर बीमाधन राशि 15 हजार 803 रूपये हैं जिसकी 2 प्रतिशत बीमांकन राशि 316.06 रूपये है प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत फसल बीमा करवाने की अन्तिम तिथि 31 जुलाई 2025 है।

अऋणी कृषक (अल्पकालिक फसल ऋण न लेने बाले कृषक) अपनी फसलों का बीमा अपनी नजदीकी बैंक/शाखा जहाँ कृषक का बैंक खाता है के माध्यम से नजदीकी सी.एस.सी सेन्टर के द्वारा करा सकते हैं, या फिर क्राप इंश्योरेंस एप को किसान भाई गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर स्वयं भी कर सकते हैं।

प्लेसमेंट समारोह में गर्व और खुशी के आंसू

भोपाल। संत शिरोमणि रविदास वैश्विक कौशल पार्क में नियुक्ति पत्र वितरण समारोह उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। प्रथम बैच के सभी छात्रों को देश-विदेश की नामी कंपनियों में 100% नियुक्ति मिली। अधिकतम 9 लाख रुपये का वार्षिक पैकेज और 18 से अधिक छात्रों का चयन हंगरी, अबू-धाबी, जापान जैसे देशों में हुआ। समारोह में माता-पिता की आंखों में गर्व और खुशी के आंसू छलक पड़े। दीप प्रज्वलन और संस्थान गीत ने माहौल को भावनात्मक बनाया। कौशल विकास मंत्री डॉ. गौतम टेटवाल और प्रमुख सचिव विवेक पोरवाल ने वीडियो संदेश से छात्रों को प्रेरित किया। यह आयोजन मेहनत, विश्वास और सपनों के पूर्ण होने का उत्सव बना।

सीधी से ब्यौहारी मार्ग पर वाहनों के आवागमन 31 जुलाई तक पूर्णत: प्रतिबंधित कर मार्ग परिवर्तित किया गया

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। लोकहित को दृष्टिगत रखते हुये कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने आदेश जारी कर मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा-115 सहपठित म.प्र. मोटरयान नियम, 1994 के नियम 215 में प्रदत्त शक्तियों के तहत सीधी से ब्यौहारी मार्ग पर वाहनों के आवागमन को 18 जुलाई से 31 जुलाई तक के लिये पूर्णतः प्रतिबंधित कर मार्ग परिवर्तित किया गया है। जारी आदेशानुसार ब्यौहारी से सीधी के लिए ब्यौहारी व्हाया बघवार से चुरहट से सीधी मार्ग परिवर्तित किया गया है। इसी प्रकार मझौली से ब्यौहारी के लिए मझौली -चुवाही -सीधी-चुरहट बघवार-ब्यौहारी, सीधी से ब्यौहारी के लिए सीधी- चुरहट बघवार-ब्यौहारी एवं ब्यौहारी से मझौली के लिए ब्यौहारी बघवार-चुरहट-सीधी- चुवाही- मझौली मार्ग परिवर्तित किया गया है। उक्त आदेश का उल्लंघन किये जाने पर संबंधित के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा- 223 के अंतर्गत कार्यवाही की जावेगी।

सोन नदी का जल स्तर बढ़ा, चितरंगी में बाढ़ जैसे हालात; सोन-गोपद नदी उफान पर, सोन के 29 गांवों में अलर्ट

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में दो दिन से लगातार हो रही बारिश से नदी-नालों का जलस्तर बढ़ गया है। चितरंगी क्षेत्र में सोन और गोपद नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। प्रशासन ने सोन तराई अंचल के 29 गांवों को अलर्ट किया है। चितरंगी क्षेत्र में 18 जुलाई को सर्वाधिक 107 मिमी यानी 4.21 इंच बारिश दर्ज की गई। देवसर में 103 मिमी यानी 4 इंच, सिंगरौली में 87 मिमी यानी 3.4 इंच, सरई में 99 मिमी यानी 3.8 इंच और माड़ा में 83 मिमी यानी 3.2 इंच बारिश हुई। जिले में अब तक कुल 554 मिमी यानी 21.8 इंच बारिश दर्ज की गई है। पिछले साल इसी समय मात्र 189 मिमी यानी 7.4 इंच बारिश हुई थी।

नदियों के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए क्योटली और चितावल में सोन नदी पर बने पुलों के पास पुलिस ने बैरिकेड लगाकर आवागमन रोक दिया गया है। स्थानीय निवासी सुखसैन नाई के अनुसार, करीब पांच साल बाद सोन नदी का जलस्तर इतना अधिक बढ़ा है। सोन और गोपद नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिससे आसपास के घरों तक बाढ़ का पानी पहुंचने की आशंका है। ग्राम गांगी निवासी लवलेश सिंह चौहान ने बताया कि जिस वेग से नदी का पानी बह रहा है। ऐसे में बाढ़ का खतरा मड़रा रहा है। चारों तरफ जहां-जहां नजरें जाती हैं, वहां पानी ही पानी नजर आ रहा है। चितरंगी ब्लॉक के ओड़नी एवं केकरांव गांव के कई घरों में पानी इस तरह घुसा है कि लोग परेशान हैं। हालांकि शुक्रवार दोपहर तक बारिश से राहत थी, लेकिन दोपहर के बाद फिर से अंचल में बारिश का दौर जारी है। तहसील चितरंगी क्षेत्र में हो रही मूसलधार बारिश के चलते जहां सोन नदी उफान पर हैं। वहीं नाले भी रौद्र रूप दिखा रहे हैं।

दस्तक अभियान जिला टास्कफोर्स बैठक में दिए आवश्यक निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा 22 जुलाई से 16 सितंबर तक स्टाप डायरिया सह दस्तक अभियान चलाया जाएगा। जिसकी सफलता हेतु शुक्रवार 18 जुलाई को जिला टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बबिता खरे ने बताया कि अभियान से पूर्व जिले में 5 वर्ष तक के सभी बच्चों का डिजिटाइजेशन किया जा रहा है। उन्होंने समस्त खंड चिकित्सा अधिकारी एवं शहरी क्षेत्र के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो बच्चे डिजिटाइजेशन से छूट गए हैं, अभी 2 दिन का समय है घर-घर जाकर सर्वे कर उनका डिजिटाइजेशन कराये। व्यवस्थित जानकारी के लिए महिला एवं बाल विकास तथा शिक्षा विभाग की सूची से मिलान कराये। अगर इसके बाद भी कहीं लापरवाही होती है तो संबंधित के खिलाफ कठोर कार्यवाही की जाएगी। साथ ही उन्होंने निर्देश दिए की अभियान के दौरान कुसमी और सिहावल के पहुंच विहीन, दूरस्थ अंचलों में गंभीर एनीमिक बच्चों के लिए शिविर लगाए और इन बच्चों को ब्लड चढ़ाने के लिए ब्लड बैंक की व्यवस्था जिले से की जाएगी। जो बच्चे अभियान के दौरान कुपोषित मिलते हैं उनको नियमानुसार एनआरसी में भर्ती कराया जाए। और आवश्यकतानुसार उपचार दिया जाए। बैठक में डीआईओ डॉ. नागेंद्र बिहारी दुबे, समस्त विकासखंड के प्रतिनिधि एवं महिला बाल विकास के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सीएमसीएचओ डॉ. खरे ने यह भी निर्देश दिया कि ग्राम में आशा के माध्यम से नारे लेखन, समूह चर्चा और कैंप के दिन साफसफाई एवं शिक्षा विभाग के सहयोग से हैंड वॉश का प्रदर्शन बच्चों के सामने किया जाए। पीएचई विभाग से सामंजस्य बनाकर पानी की टंकी की सफाई एवं स्वच्छ पानी के प्रयास एवं समझाइए दें। तथा जिले से मॉनिटरिंग दल द्वारा प्रत्येक विकासखंड का नियमित सुपरविजन के साथ अभियान का संचालन किया जाए।

विचार

वैश्विक राजनीति का परिदृश्य बदल कर रख सकता है भारत-चीन-रूस का त्रिपक्षीय मंच आरआईसी

चीन ने रूस द्वारा की गई रूस-भारत-चीन त्रिपक्षीय सहयोग को पुनर्जीवित करने की पहल का समर्थन किया है। उल्लेखनीय है कि यह कोई नया मंच नहीं है, बल्कि 1990 के दशक के उत्तरार्ध से ही यह इन तीन देशों के बीच संवाद का माध्यम रहा है। हालाँकि, बीते वर्षों में चीन-भारत सीमा विवाद और रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते यह मंच निष्क्रिय-सा हो गया था। अब चीन का समर्थन इस ओर इशारा करता है कि विश्व राजनीति में एक नई धुरी बनने की संभावना फिर से उभर रही है। हम आपको बता दें कि रूस जहां सैन्य शक्ति, ऊर्जा संसाधन और यूरोपीय-एशियाई भू-राजनीति में प्रमुख खिलाड़ी है वहीं भारत विश्व की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था, युवा जनसंख्या और इंडो-पैसिफिक में रणनीतिक ताकत है। दूसरी ओर चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और एशिया का आर्थिक इंजन है। यदि ये तीनों देश मिलकर साझा हितों के आधार पर आगे बढ़ते हैं, तो यह पश्चिम के नेतृत्व वाली मौजूदा विश्व व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं। अगर यह तीनों देश साथ आते हैं तो अमेरिकी वर्चस्व को सीधे-सीधे चुनौती मिलेगी। देखा जाये तो अब तक वैश्विक व्यवस्था अमेरिका और उसके सहयोगियों के प्रभुत्व में रही है। यदि रूस-भारत-चीन साथ आते हैं, तो वे एक मल्टी-पोलर वर्ल्ड यानी बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को मजबूती देंगे, जिसमें अमेरिका का वर्चस्व कम होगा।

इसके अलावा, ये तीनों देश संयुक्त राष्ट्र, जैसी संस्थाओं में अहम भूमिका निभाते हैं। यदि वे एक सुर में बोलें तो वैश्विक एजेंडा (जलवायु, विकास, आतंकवाद) पश्चिम के हितों के बजाय इन देशों के पक्ष में ढल सकता है। साथ ही यूरोप में रूस-यूक्रेन युद्ध, एशिया में अमेरिका-चीन टकराव और भारत-चीन सीमा विवाद जैसे मुद्दों के बीच यदि ये तीनों मिलकर काम करते हैं, तो वैश्विक ध्रुवीकरण और तेज हो सकता है। तीनों देशों के साथ आने से खुद भारत, रूस और चीन को क्या लाभ होगा, यदि इसका जिक्र करें तो आपको बता दें कि रूस-चीन के साथ अच्छे रिश्तों से भारत सामरिक संतुलन बना सकता है। साथ ही भारत ऊर्जा, रक्षा, टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में रूस और चीन से नए अवसर पा सकता है। इसके अलावा, इस त्रिकोण से भारत को चीन के साथ स्थायी संवाद करने से सीमा विवाद में तनाव कम करने का मंच मिलेगा। वहीं रूस को होने वाले लाभों को देखें तो पश्चिमी प्रतिबंधों के बीच उसे एशिया में नए साझेदारों के साथ आर्थिक, राजनीतिक और सैन्य विकल्प मिलेंगे। साथ ही चीन-भारत दोनों को साथ रखकर रूस अपनी रणनीतिक भूमिका को पुनः मज़बूत कर सकता है। इस गठजोड़ से चीन को होने वाले लाभ को देखें तो इससे अमेरिका के खिलाफ नया संतुलन बनेगा। साथ ही भारत के साथ टकराव को कम करके चीन अपने आर्थिक और भू-राजनीतिक हितों को सुरक्षित कर सकेगा और रूस के साथ ऊर्जा और रक्षा के क्षेत्र में उसके गहरे संबंध बनेंगे। तीनों देशों के गठजोड़ में संभावित बाधाओं और चुनौतियों को देखें तो भारत-चीन सीमा विवाद और विश्वास की कमी सबसे बड़ी बाधा है। इसके अलावा, यह भी डर है कि रूस-चीन की बढ़ती नजदीकी कहीं भारत को हाशिए पर न धकेल दे। साथ ही भारत पश्चिम (अमेरिका, फ्रांस, जापान) के साथ भी गहरे संबंध चाहता है, जिससे यह त्रिकोण अस्थिर रह सकता है।

हम आपको बता दें कि भारत, रूस और चीन के गठजोड़ आरआईसी को पुनर्जीवित करने में रूस और चीन की दिलचस्पी हाल ही में विदेश मंत्री एस जयशंकर के शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने के लिए बीजिंग की यात्रा करने के बाद बढ़ी है। इस दौरान, जयशंकर ने चीन के विदेश मंत्री वांग यी और उनके रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव सहित शीर्ष चीनी-रूसी अधिकारियों के साथ बातचीत की थी। हम आपको याद दिला दें कि रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने मई महीने में कहा था कि रूस, जिसके भारत और चीन के साथ घनिष्ठ संबंध हैं, आरआईसी प्रारूप को पुनर्जीवित करने में ''वास्तव में रुचि'' रखता है। उन्होंने कहा था कि रूस के पूर्व प्रधानमंत्री येवगेनी प्रिमाकोव की ओर से शुरू की गई त्रिपक्षीय व्यवस्था के परिणामस्वरूप तीनों देशों के बीच विभिन्न स्तरों पर 20 बैठकें हुई थीं।

पंच परिवर्तन से बदल जाएगा समाज का चेहरा-मोहरा

प्रो. संजय द्विवेदी

इतिहास के चक्र में किसी सांस्कृतिक संगठन के सौ साल की यात्रा साधारण नहीं होती। यह यात्रा बीज से बिरवा और अंततः उसके वटवृक्ष में बदल जाने जैसी है। ऐसे में उस संगठन के भविष्य की यात्रा पर विमर्श होना बहुत स्वाभाविक है। स्वतंत्रता के अमृतकाल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संकल्प भविष्य के भारत की रचना में सहयोगी बन सकते हैं। अपने शतादी वर्ष में संघ ने 'पंच परिवर्तन' का संकल्प लिया है। यह पंच परिवर्तन या है? इससे या होने वाला है? इसे भी जानना जरूरी है। संघ की मान्यता है कि व्यवस्था परिवर्तन का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब भारत की व्यवस्थाएं 'स्व' पर आधारित हों। 'स्व' आधारित तंत्र बनाना साधारण नहीं है। महात्मा गांधी से लेकर देश के तमाम विचारक और राजनेता 'स्व' की बात करते रहे,किंतु व्यवस्था ने उनके विचारों को अप्रासंगिक बना दिया। समाज परिर्वतन के बिना व्यवस्था परिर्वतन संभव नहीं, इसे भी सब मानते हैं।

वैचारिक संभ्रम इसका बहुत बड़ा कारण है। हम आत्मविस्मृति के शिकार और आत्मदैन्य से घिरे हुए समाज हैं। गुलामी के लंबे कालखंड ने इस दैन्य को बहुत गहरा कर दिया है। इससे हम अपना मार्ग भटक गए। स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंद, स्वामी दयानंद सरस्वती, लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी, बाबा साहब आंबेडकर हमें वह रास्ता बताते हैं जिनपर चलकर हम अपनी कुरीतियों से मुक्त एक सक्षम, आत्मनिर्भर और स्वाभिमानी समाज बन सकते थे। किंतु अंग्रेजों के बाद सत्ता में आए नायकों ने सारा कुछ बिसरा दिया। उस आरंभिक समय में भी दीनदयाल उपाध्याय और डा. राममनोहर लोहिया जैसे नायक भारत की आत्मा में झांकने का प्रयास करते रहे किंतु सत्ता की राजनीति को वे विचार अनुकुल नहीं थे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने शताब्दी वर्ष में पंच परिर्वतन का जो संकल्प लिया है,वह भारत की चिति और उसकी स्मृति को जागृत करने का काम करेगा। राष्ट्रीय चेतना का स्तर बढ़ाने के लिए 1.नागरिक कर्तव्य, 2. स्वदेशी, 3. पर्यावरण संरक्षण, 4.समरसता, 5.कुटुंब प्रबोधन जैसे पांच संकल्प ही पंच परिवर्तन के सूत्र हैं। इन विषयों में भारत की आत्मा को झकझोरकर जगाने और 'नया भारत' बनाने का संकल्प झलकता है।

नागरिक कर्तव्यबोध से नवचेतन का संचार

किसी भी राष्ट्र और लोकतंत्र की सफलता उसके नागरिकों की सहभागिता और कर्तव्यबोध से ही सार्थक होती है। एक जीवंत लोकतंत्र की गारंटी उसकी नागरिक चेतना ही है। कानूनों की अधिकता और उसे न मानने का मानस दोनों साथ-साथ चलते हैं। अपनी माटी के प्रति प्रेम, उत्कट राष्ट्रभक्ति ही सफल राष्ट्र का आधार है। जापान जैसे देशों का उदाहरण देते समय हमें देखना होगा कि क्या हमारी राष्ट्रीय चेतना और संवेदना वही है जो एक जापानी में है। आखिर क्या कारण है कि अपनी महान परंपराओं, ज्ञान परंपरा के बाद भी हम एक लापरवाह और कुछ मामलों में अराजक समाज में बदलते जा हैं।

कानूनों को तोड़ना यहां फैशन है। यहां तक की हम सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने और सड़कों पर रेड लाइट का उल्लंधन करने से भी बाज नहीं आते। ये बहुत छोटी बातें लगती हैं, किंतु हैं बहुत बड़ी। चुनावों में शत प्रतिशत मताधिकार तो दूर का सपना है। बहुत शिक्षित शहरों में वोटिंग 50 प्रतिशत से आगे नहीं बढ़ पाती। ये सूचनाएं बताती हैं कि हमें अभी जागरूक नागरिक या सजग भारतीय होना शेष है।कानूनों का पालन, कर का समय पर भुगतान, सामाजिक और सामुदायिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, राष्ट्रीय संपत्ति की सुरक्षा जरूरी है। एक शानदार समाज की पहचान है कि वह अपने परिवेश को न सिर्फ स्वच्छ और सुंदर बनाने का प्रयास करता है बल्कि अपने प्रयासों से अन्यों को भी प्रेरित करता है। देखा जाता है कि हममें अधिकार बोध बहुत है किंतु कर्तव्यबोध कई बार कम होता है। जबकि संविधान हमें मौलिक अधिकारों के साथ कर्तव्यों की भी सीख देता है। हमारे धार्मिक ग्रंथ हमें नागरिकता और सामाजिक आचरण का पाठ पढ़ाते हैं। सवाल यह है कि हम उन्हें अपने जीवन में कितना उतार पाते हैं।

स्वदेशी से बनेगा स्वाभिमानी और आत्मनिर्भर भारत

पंचपरिवर्तन का दूसरा सूत्र है 'स्वदेशी'। स्वदेशी सिर्फ आत्मनिर्भरता का मामला नहीं है यह राष्ट्रीय स्वाभिमान का भी विषय है। अपनी जमीन पर खड़े रहकर विकास की यात्रा ही स्वदेशी का मूलमंत्र है। विनोबा जी कहते थे- स्वदेशी का अर्थ है आत्मनिर्भरता और अहिंसा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इसे सादगी से भी जोड़ता है। जिसके मायने हैं मितव्ययिता से जियो, कंजूसी से नहीं। स्वदेशी का सोच बहुत व्यापक है। परिवारों में भाषा, वेशभूषा, भवन, भ्रमण, भजन और भोजन ये छः चीजें हमारी ही होनी चाहिए। हम विदेशी भाषा, बोलें, दुनिया के साथ संवाद करें। किंतु अपने परिवारों अपनी मातृभाषा का उपयोग करें। विदेशी वस्त्रों से परहेज नहीं किंतु पारिवारिक मंगल आयोजनों और उत्सवों में अपनी वेशभूषा धारण करें। स्वभूषा, उपासना पद्धति, भोजन हमारा होना चाहिए। इसी तरह हम पूरी दुनिया घूमकर आएं किंतु भारत के तपोस्थलों, तीर्थस्थलों, वीरभूमियों तक भी हमारा प्रवास हो। हमारे परिजन जानें की राणा प्रताप कौन हैं और चित्तौड़गढ़ कहां है। शिवाजी कौन थे और रायगढ़ कैसा है। जालियांवालाबाग कहां है। इसी तरह हमारे घर भारतीयता का प्रतिनिधित्व करते हुए दिखने चाहिए। वहां एक भारतीय परिवार रहता है ,यह प्रकट होना चाहिए। महापुरूषों की तस्वीरें। अपनी भाषा में नाम पट्ट और स्वागतम् जैसे उच्चार लिखे हों। परिवारों में हमारी संस्कृति की छाप साफ दिखनी चाहिए। तुलसी का पौधा और पूजाघर के साथ, किताबों का एक कोना भी हो जिसमें हमारे धार्मिक ग्रंथ गीता, रामायण, महाभारत आदि अवश्य हों। उनका समय-समय पर पाठ भी परिवार के साथ हो। हमारी जीवनशैली आधुनिक हो किंतु पश्चिमी शैली का अंधानुकरण न हो। परिवार में काम करने वाले सेवकों के प्रति सम्मान की दृष्टि भी जरूरी है। ऐसे अनेक विषय हैं जिन पर विचार होना चाहिए।

पर्यावरण संरक्षण से होगी जीवन रक्षा

प्रकृति के साथ संवाद और सहजीवन भारत का मूल विचार है। अपनी नदियों, पहाड़ों और पेड़-पौधों में ईश्वर का वास देखने की हमारी संस्कृति और परंपरा रही है। प्रकृति के बिना मानव जीवन की कल्पना असंभव है। प्रदूषण आज बहुत बड़ी चिंता बन गया है। कुछ भी स्वच्छ नहीं रहा। हवा भी जहरीली है। इसलिए हमें अपने भारतीय विचारों पर वापसी करनी ही होगी। प्रकृति और पर्यावरण के साथ सार्थक संवाद ही हमें बचा पाएगा। ग्लोबल वार्मिंग जैसी चिंताएं हमारे सामने चुनौती की तरह हैं। पानी, बिजली को बचाना, प्लास्टिक मुक्त समाज बनाने के साथ वाहनों का संयमित उपयोग जरूरी है। एयरकंडीशनर का न्यूनतम उपयोग, वनों और जंगलों की रक्षा जैसे अनेक प्रयासों से हम सुंदर दुनिया बना सकते हैं। घरों में पेड़-पौधे लगाएं और हरित घर का संकल्प लें। सच तो यह है कि अगर हम पर्यावरण की रक्षा करेंगें तो वह हमारी रक्षा करेगा।

सामाजिक समरसता से बनेगी सुंदर दुनिया

सामाजिक समरसता के बिना कोई भी राष्ट्र अग्रणी नहीं बन सकता। गुरु घासीदास कहते हैं- मनखे-मनखे एक हैं। किंतु जातिवाद ने इस भेद को गहरा किया है। तमाम प्रयासों के बाद भी आज भी हम इस रोग से मुक्त नहीं हो सके हैं। भेदभाव ने हमारे समाज को विभाजित कर रखा है, जिसके चलते दुनिया में हमारी छवि ऐसी बनाई जाती है कि हम अपने ही लोगों से मानवीय व्यवहार नहीं करते हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी कहते थे- अस्पृश्यता ईश्वर और मानवता के प्रति अपराध है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक रहे पू. बालासाहब देवरस ने इस संकट को रेखांकित करते हुए बसंत व्याख्यानमाला में कहा था कि- अगर छूआछूत गलत नहीं है दुनिया में कुछ भी गलत नहीं है, इसे मूल से नष्ट कर देना चाहिए। ऐसे में हमें यह समझना होगा कि जो कुछ भी सैकड़ों सालों से परंपरा के नाम पर चल रहा है वह हमारा धर्म नहीं है। इतिहास में हुए इन पृष्ठों का कोई भी सभ्य समाज समर्थन नहीं कर सकता। जबकि हमारे धर्म ग्रंथ और शास्त्र इससे अलग हैं। हमारे ऋषि और ग्रंथों के रचयिता सभी वर्गों से हैं। भगवान बाल्मीकि और वेद व्यास इसी परंपरा से आते हैं। यानि यह भेद शास्त्र आधारित नहीं है। यह विकृति है। इससे मुक्ति जरूरी है।हमें इसके सचेतन प्रयास करते हुए अपने आचरण, व्यवहार और वाणी से समरसता का अग्रदूत बनना होगा। सभी समाजों और वर्गों से संवाद और सहकार बनाकर हम एक आदर्श समाज की रचना में सहयोगी हो सकते हैं।

युवा भारत की कलम से लिखा निवेश का नया भूगोल

संजीव कुमार मिश्र

भारत की आर्थिक चेतना का जो नया अध्याय इस समय लिखा जा रहा है, उसकी सबसे सशक्त पंक्ति युवा भारत की कलम से निकल रही है। बीते वर्षों में आर्थिक और सामाजिक क्षेत्रों में जो परिवर्तन देखने को मिले हैं, वे महज सरकारी योजनाओं या वैश्विक वित्तीय संस्थानों की रिपोर्टों के निष्कर्ष नहीं हैं, बल्कि भारत के गांवों, कस्बों और छोटे शहरों से निकलते उस नए युवा भारत के प्रमाण हैं जो अब सिर्फ नौकरी ढूंढने वाला नहीं, बल्कि निवेश और उत्पादन का भागीदार बन चुका है। यह बदलाव जितना अदृश्य था, उतना ही व्यापक हो चुका है।

एक समय था जब भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर विकास दर 3.5 से 4 प्रतिशत के बीच झूलती थी और इस स्थिरता को ही स्थायित्व मान लिया जाता था। 1950 से 1980 के दौर के लिए अर्थशास्त्री राजकृष्ण ने 'हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ' शब्द प्रयोग किया। बाद के वर्षों में आशीष बोस ने 'बीमारू' शब्द गढ़ा, जिससे बिहार, मध्यप्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों की विकासहीनता को रेखांकित किया गया। लेकिन 2025 के इस कालखंड में यदि हम पीछे मुड़कर देखें तो पाएंगे कि जिन राज्यों को कल तक बीमारू कहा गया, आज वही आर्थिक परिवर्तन की नई इबारत लिख रहे हैं।

वर्ष 1991 में जब भारत ने उदारीकरण की दिशा में कदम बढ़ाया था, तभी से यह परिवर्तन धीरे-धीरे आकार लेने लगा था। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि उस परिवर्तन का पूरा फल भारतीय जनमानस तक पहुंचने में समय लगा। किंतु अब स्थिति बदल चुकी है। भारत के शेयर बाजार को लेकर जितना उत्साह आज छोटे शहरों और ग्रामीण अंचलों में देखने को मिल रहा है, वह इस बात का प्रमाण है कि देश की आर्थिक यात्रा अब कुछ महानगरों तक सीमित नहीं है। और इस समावेशी आर्थिक चेतना का नेतृत्व कर रहे हैं देश के युवा। मॉर्गन स्टैनली जैसी वैश्विक वित्तीय संस्था का यह आकलन कि यदि स्थितियां अनुकूल रहीं, तो भारत का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स अगले 12 महीनों में एक लाख के आंकड़े को पार कर सकता है, केवल बाजार का भविष्यवाणीय अनुमान नहीं है, बल्कि यह भारत के सामाजिक-आर्थिक ढांचे में आ रहे गहरे और बुनियादी बदलावों का संकेत भी है। इस आकलन के पीछे जिस प्रवृत्ति ने सबसे अधिक प्रभाव डाला है, वह है—निवेश के प्रति युवाओं की रुचि, जागरूकता और भागीदारी।

यदि हालिया वर्षों में निवेशक संख्या का तुलनात्मक अध्ययन किया जाए, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि यह बदलाव केवल महाराष्ट्र, गुजरात या कर्नाटक जैसे पारंपरिक औद्योगिक राज्यों तक सीमित नहीं है। बल्कि अब उत्तर प्रदेश, राजस्थान और बिहार जैसे राज्य इस दौड़ में शामिल ही नहीं, बल्कि कई मायनों में अग्रणी भी हो चले हैं।

वित्तीय वर्ष 2025 के उपलब्ध आंकड़े बताते हैं कि भारत में सबसे अधिक डीमैट खाताधारक महाराष्ट्र में हैं, जिसकी संख्या लगभग 186 लाख है। किंतु इसके बाद दूसरे स्थान पर है उत्तर प्रदेश, जहां यह संख्या 130 लाख के आसपास पहुंच गई है। विशेष बात यह है कि जबकि महाराष्ट्र ने पांच वर्षों में लगभग 21 गुना वृद्धि दर्ज की, उत्तर प्रदेश ने 47 गुना की दर से यह वृद्धि हासिल की है। इससे यह निष्कर्ष निकालना कठिन नहीं कि महाराष्ट्र जैसे राज्य जहां निवेश स्थिरता की ओर बढ़ रहे हैं, वहीं उत्तर प्रदेश जैसे राज्य अब निवेशक वर्ग के लिए नए अवसरों का द्वार खोल रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में जिस प्रकार योगी आदित्यनाथ सरकार ने कानून व्यवस्था, आधारभूत ढांचा और निवेश समर्थक नीतियों पर बल दिया है, उसका सीधा असर राज्य की आर्थिक चेतना पर पड़ा है। एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य अब सिर्फ भाषणों तक सीमित नहीं रह गया, बल्कि राज्य के युवाओं की आकांक्षा का हिस्सा बन चुका है। आज का पूर्वांचल, बुंदेलखंड और तराई क्षेत्र भी बाजार की भाषा समझने लगा है।

इसी क्रम में राजस्थान की स्थिति भी उल्लेखनीय है, जहां पांच वर्षों में 46 गुना तक निवेशकों की संख्या में वृद्धि हुई है। पर्यटन और खनिज संपदा पर आधारित अर्थव्यवस्था वाले इस राज्य में अब युवाओं ने बाजार को भी संभावनाओं का क्षेत्र मानना शुरू कर दिया है। किंतु जो राज्य सबसे अधिक चौंकाता है, वह है—बिहार।

एक समय लालटेन की राजनीति से पहचान रखने वाला बिहार अब %लैपटॉप और लिक्विडिटी% की अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। पांच वर्षों पहले जहां बिहार में केवल सात लाख लोग शेयर बाजार से जुड़े थे, वहीं अब यह संख्या 52 लाख को पार कर चुकी है। यह 68 गुना वृद्धि न केवल देश की सबसे तेज़ आर्थिक भागीदारी को दर्शाती है, बल्कि उस मानसिक और सामाजिक बदलाव का भी प्रतीक है जो इस राज्य की जनता में आया है।

बिहार में हाल के वर्षों में आयोजित औद्योगिक संवाद और निवेशक समागमों में देश की 55 से अधिक आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों ने भाग लिया है। ये कंपनियाँ ड्रोन, डेटा सेंटर, सोलर उपकरण और सॉफ्टवेयर सेवाओं में रुचि दिखा रही हैं। राज्य सरकार द्वारा निवेशकों के लिए 70 प्रतिशत तक प्रोत्साहन राशि, सिंगल विंडो क्लीयरेंस की व्यवस्था और उद्योगिक संवाद में तत्परता इस बदलाव को और मजबूती दे रहे हैं। यह बदलाव केवल योजनाओं या घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि जमीन पर दिखने लगा है।

आज बिहार का युवा केवल प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में ही नहीं लगा, बल्कि वह स्ट्रक्च म्यूचुअल फंड और स्टॉक मार्केट के उतार-चढ़ाव को भी समझ रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों तक जैसे प्लेटफॉर्म्स की पहुंच, और साथ में स्मार्टफोन व इंटरनेट की उपलब्धता ने वित्तीय जागरूकता की सीमा को तोड़ दिया है। अब समस्तीपुर का एक छात्र स्ट्रक्चकी शुरुआत करता है, दरभंगा की गृहिणी म्यूचुअल फंड में निवेश करती है, और पूर्णिया का एक किसान अपने बेटे के लिए टैक्स प्लानिंग सीख रहा है।

यह परिवर्तन अचानक नहीं हुआ। इसके पीछे शिक्षा तक पहुंच, इंटरनेट और मोबाइल क्रांति, सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी का लोकतंत्रीकरण, और आर्थिक आत्मनिर्भरता की बढ़ती चाहत का योगदान है। अब सरकारी नौकरी को ही जीवन की उपलब्धि मानने वाली सोच में परिवर्तन आया है। युवाओं में अब जोखिम उठाने की प्रवृत्ति बढ़ी है, और निवेश को सिर्फ अमीरों का खेल मानने का भ्रम टूट चुका है।

3 की परमिशन पर बनाई 5 मंजिल की बिल्डिंग

नोटिस के बाद भी काम जारी;भवन शाखा के कर्मचारी बोले- मामला डेढ़ साल पुराना

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में अवैध तरीके से बिल्डिंग निर्माण कराया जा रहा है। नेहरू नगर स्थित सनसाइन हॉस्पिटल में तीन मंजिला बिल्डिंग का नक्शा पास होने के बावजूद पांच मंजिल का निर्माण किया जा रहा है। नोटिस के बाद भी काम जारी है।

निगम के अधिकारियों के अनुसार, बिल्डिंग मालिक डॉ. राजेश सिंह गौतम को नक्शे के विपरीत निर्माण के लिए नोटिस जारी किया गया था। इसके बाद भी निर्माण काम जारी है। निगम ने जी प्लस थ्री बिल्डिंग का कॉमर्शियल नक्शा पास किया था। लेकिन दो और मंजिलों का निर्माण कर लिया गया।

हाईकोर्ट से मिला है स्टे ऑर्डर: इस मामले में बिल्डिंग मालिक डॉ. गौतम का कहना है कि उन्हें हाईकोर्ट से स्टे ऑर्डर मिला है। वे इसकी जानकारी संबंधित प्राधिकरण को दे चुके हैं। जबकि निगम के भवन शाखा के कर्मचारियों का कहना है कि यह मामला डेढ़ साल पुराना है और इसकी फाइल ढूंढी जा रही है।

उचित कार्रवाई होगी- बिल्डिंग ऑफिसर:

आरोप है कि निगम के इंजीनियरों की मिलीभगत से नेहरू नगर सहित शहर के कई स्थानों पर अवैध निर्माण हो रहे हैं। भवन शाखा के नए प्रभारी कार्यपालन अभियंता अनुपम तिवारी ने कहा कि उन्होंने हाल ही में चार्ज लिया है। उन्हें कथित अवैध या नक्शे के विपरीत निर्माण की जानकारी नहीं है। अवैध निर्माण पाए जाने पर वह उचित कार्रवाई करेंगे।

शहर भर के अवैध निर्माण का सर्वे कराएं- सभापति: नगर निगम के सभापति विनोद सोनी का कहना है कि अवैध निर्माण, नक्शे के विपरीत निर्माण शहर भर की समस्या है। इन मामलों में बिचौलिए भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। नगर निगम को सभी 70 वार्डों में निर्माण का सर्वे कराना चाहिए। ताकि अवैध निर्माण के मामले में कार्रवाई हो और बिचौलियों का खेल खत्म किया जा सके।

उन्होंने कहा कि भले ही अभी नियमितीकरण बंद है। लेकिन शासन स्तर पर इसे शुरू कराया जाना चाहिए। अवैध निर्माण का नियमितीकरण निगम के स्तर पर होगा, तो निगम की आय में बढ़ोतरी होगी और भवन निर्माण की आड़ में चल रहे घोटाले पर रोक लग सकेगी।

इससे पहले यहां बनवाया गया था 5 मंजिल इमारत: शहर में यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले दयालबंद में अशोक गांधी ने भी तीन मंजिल की अनुमति पर पांच मंजिल का निर्माण कर लिया था। निगम ने तोड़ने की कार्रवाई शुरू की। लेकिन दो दिन बाद रोक दी गई। बाद में इसे अवैध तरीके से नियमित कर दिया गया।

सड़क सुरक्षा अन्तर्गत, हेलमेट पहनकर गाड़ी चलाने वालों को प्राचार्य एवं छात्रों ने किया सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेंद्रगढ़-शासकीय स्कूल पिपरिया के प्राचार्य डॉ. विनोद पांडेय की नेतृत्व में स्काउट एवं इको क्लब के छात्र-छात्राओं द्वारा जन जागरूकता अभियान व सड़क सुरक्षा अंतर्गत विद्यालय के छात्र गांधीवादी तरीके से कुर्ता पहनकर तथा छात्राएं टोपी पहनकर हाथों में तख्ती लिए रैली निकाला। हेलमेट लगाए जान बचाए, हमारी सुरक्षा करें, अपनी व अपने परिवार को सुरक्षित रखें। जैसे नारे लगाते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग 43 पहुंचे तथा जो चालक हेलमेट लगाकर गाड़ी चला रहे थे। उन्हें पुष्पगुच्छ व पेन देकर प्राचार्य द्वारा सम्मानित किया गया व बिना हेलमेट व सीट बेल्ट लगाए गाड़ी चला रहे थे। उन्हें यातायात नियम की जानकारी दी व हेलमेट लगाने का आग्रह किया। शासकीय हाई स्कूल पिपरिया द्वारा लगातार 5 वर्षों से सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखकर व बढ़ती सड़क दुर्घटना को देखते हुए, यह कार्यक्रम किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में डॉ विनोद पांडेय प्राचार्य के अलावा उषा किरण सिंह, जरीना परवीन, संगीता तिवारी, अबुल कमर, शर्मिष्ठा दत्ता, कमरुद्दीन अंसारी, कल्पना वर्मा, मेरी कलारा बेक व छात्र छात्राएं उपस्थित रहे ।

मनेंद्रगढ़ की सड़कों पर गड्ढे ही गड्ढे

इन्हीं रास्तों से डेली गुजरते हैं अधिकारी; सीएमओ बोले- परिषद बैठक के बाद सड़क निर्माण की मांग की जाएगी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिला मुख्यालय से लगे नगर पंचायत झगराखांड, नई लेदरी और खोंगापानी की सड़कों हाल बेहाल है। मनेंद्रगढ़ से महज 10 किलोमीटर में इन तीनों नगर पंचायतों के सड़कों पर गड्ढों के कारण राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अधिकारी सड़क मरम्मत कराने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं।

जिले के आलाधिकारी आए दिन करते हैं आना-जाना: आलम यह है कि लोग किसी प्रकार गड्ढों से बच-बचाकर किसी तरह गाड़ी चलाते हैं। नगर पंचायत खोंगापानी के उपाध्यक्ष विवेक चतुर्वेदी ने बताया कि सड़कों पर गड्ढे होने के कारण यहां रह रहे जिले के आला अधिकारियों सहित आमजनों को आवाजाही में काफी असुविधा होती है। इस बात का हमें पीड़ा, कष्ट है। जबकि इसी क्षेत्र में जिले के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत सीईओ के साथ बड़े-बड़े अधिकारी रहते हैं और आए दिन इसी रास्ते से आना-जाना करते हैं। इस सड़क की दुर्दशा को देखते हुए उप क्षेत्रीय प्रबंधक को बरसात के दौरान मरम्मत कराने और बारिश के बाद सड़क निर्माण कराने को लेकर मैंने बात की है। मैं चाहूंगा कि सड़क का काम जल्द से जल्द हो।

आगामी परिषद की बैठक के बाद शासन की जाएगी मांग- सीएमओ: इस मामले में नगर पंचायत झगराखांड के सीएमओ बसंत राम ने कहा कि इस सड़क का निर्माण एसईसीएल ने करवाया था। सड़कों पर गड्ढों को लेकर ऑटो ड्राइवरों ने मरम्मत की मांग की थी। जिसके बाद सड़क पर जहां-जहां गड्ढा था, उसमें नगर पंचायत ने मिट्टी डलवाया था। लेकिन लगातार बारिश होने के कारण मिट्टी बह गया है। आगामी परिषद की बैठक के बाद हम शासन को पत्र भेजकर सड़क निर्माण की मांग करेंगे।

कवासी लखमा को हाईकोर्ट से नहीं मिली बेल

शराब घोटाला केस में बंद हैं पूर्व आबकारी मंत्री, हर महीने पहुंचता था कमीशन का 2 करोड़

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ शराब घोटाले केस में जेल में बंद पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा की जमानत याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जमानत नहीं दी जा सकती। केस की सुनवाई जस्टिस अरविंद वर्मा की बेंच में हुई। बता दें कि ईडी ने लखमा को 15 जनवरी को गिरफ्तार किया था। इसके साथ ही शराब घोटाले के केस में ईओडब्ल्यू ने भी केस दर्ज किया है, जिसकी जांच के बाद चार्जशीट पेश किया गया है। इस मामले में भी ईओडब्ल्यू ने गिरफ्तार किया है। कवासी लखमा ने अपने वकील हर्षवर्धन के माध्यम से अलग-अलग याचिका दायर की है।

शुक्रवार को ईओडब्ल्यू की गिरफ्तारी के केस में बेल पर सुनवाई हुई, जिसमें तर्क दिया गया कि साल 2024 में केस दर्ज किया गया था, जिसमें डेढ़ साल बाद गिरफ्तारी की गई है, जो गलत है।

इस दौरान लखमा का कभी पक्ष ही नहीं लिया गया। लेकिन, जब उन्हें गिरफ्तारी का शक हुआ और अग्रिम जमानत की अर्जी लगाई, तब अरेस्ट कर लिया गया। यह भी बताया गया कि केवल बयानों के आधार पर उन्हें आरोपी बनाया गया है। जबकि, उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं है। पूर्व मंत्री को राजनीतिक षडयंत्र के तहत फंसाने का आरोप लगाया गया है।

राज्य सरकार ने कहा- हर महीने पहुंचता था कमीशन का दो करोड़ रुपए: सुनवाई के दौरान ईओडब्ल्यू की तरफ से अतिरिक्त महाधिवक्ता विवेक शर्मा ने बताया कि चार्जशीट के मुताबिक कवासी लखमा के बंगले में हर महीने 2 करोड़ रुपए कमीशन पहुंचता था। कोर्ट को बताया गया कि शराब घोटाला सिंडीकेट की तरह चलता था, जिसमें अधिकारी से लेकर मंत्री तक कमीशन लेते थे। ईओडब्ल्यू के अधिकारियों ने लखमा के 27 करीबियों से बयान लेकर इस बात के सबूत इकट्ठा किए हैं। जिसमें उनकी भूमिका और मिलीभगत के सारे साक्ष्य मौजूद हैं। ईडी की जांच में भी पता चला है कि तत्कालीन भूपेश सरकार के कार्यकाल में आईएएस अफसर अनिल टुटेजा, आबकारी विभाग के एमडी एपी त्रिपाठी और कारोबारी अनवर ढेबर के सिंडिकेट के जरिए घोटाले को कैसे अंजाम दिया गया था।

आगामी प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर कलेक्टर ने जारी किए कड़े दिशा-निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल रायपुर द्वारा संचालित आगामी प्रतियोगी परीक्षाओं को देखते हुए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डी. राहुल वेंकट ने मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के सभी परीक्षा केंद्रों के लिए व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आदेशानुसार, प्रत्येक परीक्षार्थी को परीक्षा के दिन अपने निर्धारित परीक्षा केंद्र पर रिपोर्टिंग समय से दो घंटे पहले अनिवार्य रूप से पहुंचना होगा। यह समय सीमा फ्रिस्किंग, पहचान-पत्र सत्यापन और अन्य सुरक्षा प्रक्रियाओं को शांतिपूर्वक संपन्न कराने के उद्देश्य से तय की गई है। परीक्षा शुरू होने के ठीक 30 मिनट पूर्व केंद्र का प्रवेश द्वार पूर्णतः बंद कर दिया जाएगा। अर्थात यदि परीक्षा सुबह 10 बजे प्रारंभ हो रही है, तो 9:30 के बाद किसी भी अभ्यर्थी को परिसर में प्रवेश नहीं मिलेगा। ड्रेस-कोड को लेकर भी प्रशासन ने स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए हैं। परीक्षार्थियों को हल्के रंग के आधी बांह वाले वस्त्र पहनने होंगे। चप्पल के अतिरिक्त किसी भी प्रकार के जूते या मोजे की अनुमति नहीं होगी। कानों में किसी भी प्रकार के आभूषण पहनना पूर्णतः वर्जित रहेगा।

परीक्षा शुरू होने के 30 मिनट पहले और समाप्ति के अंतिम 30 मिनट के भीतर किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा कक्ष से बाहर जाने की अनुमति नहीं होगी। इसके अतिरिक्त मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, पर्स, बेल्ट, स्कार्फ, टोपी, इलेक्ट्रॉनिक घड़ी जैसे किसी भी प्रकार के संचार उपकरण अथवा इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं परीक्षा केंद्र में पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेंगी। कलेक्टर ने सभी परीक्षार्थियों से अनुरोध किया है कि वे परीक्षा के एक दिन पूर्व ही अपने परीक्षा केंद्र की स्थिति का अवलोकन कर लें ताकि अंतिम समय में किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके। परीक्षा केंद्र में प्रवेश के लिए किसी एक वैध मूल फोटोयुक्त पहचान-पत्र जैसे मतदाता पहचान-पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन-कार्ड, आधार-कार्ड, पासपोर्ट, विद्यालय परिचय-पत्र अथवा फोटोयुक्त अंकसूची का साथ लाना अनिवार्य होगा। फोटो-कॉपी किसी भी रूप में मान्य नहीं होगी। जिला प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि कोई अभ्यर्थी इन दिशा -निर्देशों का उल्लंघन करता है, तो उसे परीक्षा से वंचित किया जा सकता है। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने अभ्यर्थियों से आग्रह किया है कि वे समय का कड़ाई से पालन करें, ड्रेस-कोड और सुरक्षा नियमों का पूरी निष्ठा से सम्मान करें और शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष परीक्षा प्रक्रिया सुनिश्चित करने में प्रशासन का सहयोग करें।

शिया बोलकर 30 मुस्लिम परिवारों को समाज से निकाला

मुतवल्ली ने जारी किया फतवा, मस्जिद-कब्रिस्तान जाने पर रोक, डॉ. सलीम बोले-दाढ़ी-टोपी की आड़ में मनमानी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के राजिम में 30 मुस्लिम परिवारों को इतेहाद कमेटी (राजिम) के अध्यक्ष ने समाज से बेदखल करवा दिया है। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया है कि इतेहाद कमेटी के अध्यक्ष अल्तमश सिद्दकी और उसके साथियों ने शिया बोलकर उनके खिलाफ फतवा जारी कर दिया है। वो 2021 से सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल नहीं हो पा रहे हैं। समाज के लोग उनके साथ दावत, रिश्ता, सलाम-दुआ नहीं कर रहे हैं। मस्जिद और कब्रिस्तान जाने पर भी रोक लगा दी गई है। पीड़ित परिवारों ने गुरुवार को सीएम विष्णुदेव साय और छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सलीम राज से शिकायत की है। छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष ने मुतवल्ली और कमेटी के अध्यक्ष को नोटिस जारी करने और कार्रवाई करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि दाढ़ी-टोपी की आड़ में कुछ लोग धर्म की ठेकेदारी कर रहे हैं। उनके खिलाफ लगातार शिकायत आ रही है। कार्रवाई होगी।

मुस्लिम परिवार के लोग 2021 से परेशान: छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड कार्यालय पहुंचे पीड़ितों ने को बताया, कि वो मुस्लिम कम्युनिटी के सुन्नी समुदाय से हैं। इसके बाद भी अल्तमश सिद्दकी और राजिम सदर सम्बीर रिजवी ने उन्हें शिया समुदाय के हो कहकर समाज से निकाल दिया। सम्बीर रिजवी 2021 से परेशान कर रहे हैं। वहीं मौलाना सैय्यद मोहम्मद अशरफ ने बताया कि सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल होने पर जान से मारने की धमकी देते हैं। शिकायतकर्ता और उनका परिवार कई साल से प्रताड़ना झेल रहा है। लखेर बिरादरी, मनियार समाज गरियाबंद की जमात ने मुतवल्ली की शिकायत की है। मैंने पीड़ितों की मदद की तो मुझे धमकी दी जा रही है।

फतवे की वजह से मेरे भाई की मौत हो गई: वहीं मोहम्मद शादिक वारसी ने बताया कि मुतवल्ली ने फतवा जारी किया है। परिवार परेशान है। इसके चलते तनाव में मेरे भाई की मौत हो गई। खुद को इतेहाद कमेटी के अध्यक्ष बताने वाले अल्तमश सिद्दकी और उनके साथी यह कर रहे हैं। हमने शिकायत देकर फतवारी जारी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

समाज के लोगों ने लिया निर्णय- अल्तमश सिद्दकी: इतेहाद कमेटी के अध्यक्ष अल्तमश सिद्दकी ने बताया कि शिया और सुन्नी लोगों में मतभेद है। ये जगजाहिर है। इसके बाद भी सुन्नी समाज के कुछ लोग शिया समाज के नियमों का पालन कर रहे थे। इनको बार-बार बोला गया, लेकिन वो नहीं माने।

कांग्रेस का बिजली विभाग कार्यालय घेराव

लालटेन लेकर किया प्रदर्शन, स्मार्ट मीटर और बिजली दरों में बढ़ोतरी का विरोध

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। कांग्रेस ने बिजली दरों में वृद्धि और अघोषित कटौती के विरोध में बिजली विभाग के तिफरा स्थित कार्यालय का घेराव किया। शहर और जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ता लालटेन लेकर धरने पर बैठे और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। जिला कांग्रेस अध्यक्ष विजय केशरवानी ने कहा कि छत्तीसगढ़ बिजली उत्पादन में सरप्लस है। फिर भी शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार कटौती हो रही है। उन्होंने कहा कि राज्य से दूसरे राज्यों को बिजली बेची जा रही है। स्मार्ट मीटर के नाम पर सरकार गरीबों के साथ छल कर रही है।

छत्तीसगढ़ बिजली उत्पादन में सरप्लस फिर भी हो रही कटौती: केशरवानी ने कहा कि छत्तीसगढ़ बिजली उत्पादन में सरप्लस है। इसके बावजूद शहर और ग्रामीण दोनों ही क्षेत्रों में लगातार बिजली कटौती की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि छत्तीसगढ़ से दूसरे राज्यों को बिजली बेची जा रही है, लेकिन यहां आपातकाल की स्थिति है। उन्होंने कहा कि कांग्रेसजन आज लालटेन लेकर बिजली विभाग के अधिकारियों और सरकार को सचेत करने आए हैं।

डेढ़ साल में चौथी बार बिजली दर बढाई- पांडेय: शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विजय पांडेय ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार जनता की समस्याएं हल करने की ओर कोई ध्यान नहीं दे रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि डेढ़ साल में चौथी बार बिजली बिल की दरों में बढ़ोत्तरी करना जनता के साथ अन्याय है, जबकि कांग्रेस सरकार ने 400 यूनिट तक बिजली बिल हाफ कर दिया था।

महिला ने महानदी में लगाई छलांग, पुलिस ने किया रेस्क्यू, अस्पताल में भर्ती

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। नवापारा में एक महिला ने महानदी पुल से छलांग लगा दी। आसपास के लोगों ने देखा तो हड़कंप मच गया। पुल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही नवापारा पुलिस मौके पर पहुंची। महिला को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। घटना नवापारा थाना क्षेत्र की है। जानकारी के अनुसार, नवापारा और राजिम को जोड़ने वाले महानदी पुल से आज सुबह एक बुजुर्ग महिला ने छलांग लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश की है। हालांकि, महिला की जान बच गई। महिला पानी में गिरने के बाद खुद तैरकर पुल के एक पिलर के बीच बैठ गई। इसके बाद सूचना मिलते ही नवापारा पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को सुरक्षित रेस्क्यू किया।

पूछताछ के बाद होगी वजह साफ़: पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से महिला को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इसके बाद महिला को राजिम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उसका इलाज किया जा रहा है।

जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने एवं प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए कलेक्टर को दिया ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। एक देश तभी जीवित रह सकता है और विकसित हो सकता है जब उसकी जनसंख्या नियंत्रण में हो, क्योंकि सभी की ज़रूरतों को पूरा करने के संसाधन सीमित हैं। जहां एक ओर नियंत्रित जनसंख्या राष्ट्र की शक्ति को बढ़ाने का कार्य करती है तो वहीं दूसरी ओर अनियंत्रित जनसंख्या राष्ट्र के विकास में बाधक है जनसंख्या वृद्धि मानव जीवन के लिए आवश्यक संसाधनों जैसे - आवास, भोजन, रोजगार, बुनियादी ढांचा एवं पर्यावरण को सीधे तौर पर नुकसान पहुंचती है।

जनसंख्या वृद्धि की चुनौतीः भारत की जनसंख्या वर्तमान में 140 करोड़ से अधिक हो चुकी है, जो विश्व की सबसे बड़ी जनसंख्या है। यह आँकड़ा हमारी सांस्कृतिक और सामाजिक विविधता का

प्रतीक है, किंतु यह हमारे संसाधनों पर भारी दबाव डाल रहा है। बढ़ती जनसंख्या के कारण निम्नलिखित समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं।

संसाधनों की कमी: पानी, भोजन, आवास और ऊर्जा जैसे बुनियादी संसाधन सीमित हो रहे हैं। प्रति व्यक्ति संसाधनों की उपलब्धता में कमी के कारण जीवन स्तर प्रभावित हो रहा है।

शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव: स्कूलों में सीटों की कमी और अस्पतालों में बेड की अनुपलब्धता आम बात हो गई है।

बेरोजगारी और गरीबी: बढ़ती जनसंख्या के कारण रोजगार के अवसरों पर दबाव बढ़ रहा है, जिससे बेरोजगारी और गरीबी में वृद्धि हो रही है।

पर्यावरणीय क्षति: वनों की कटाई, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याएँ जनसंख्या घनत्व के कारण और गंभीर हो रही हैं।

संयुक्त राष्ट्र और विश्व बैंक की हालिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यदि जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित नहीं किया गया, तो 2050 तक भारत की जनसंख्या 170 करोड़ तक पहुँच सकती है। यह स्थिति हमारे आर्थिक विकास, सामाजिक समानता और पर्यावरणीय स्थिरता के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न कर सकती है।

वर्तमान समय में भारत विश्व में सबसे अधिक आबादी वाला देश है भारत की वर्तमान जनसंख्या लगभग 146 करोड़ है। यह संख्या विश्व की 20 प्रतिशत है। जबकि जमीन 2 प्रतिशत है। प्रतिदिन 90000 बच्चे पैदा हो रहे अर्थात् वर्षभर में 3 करोड़ के लगभग बच्चे पैदा हो रहे सत्ता में बैठी सरकार 5 वर्ष में अधिकतम 2 करोड़ रोजगार निर्माण कर सकती है वह भी सरकारी व प्राइवेट मिलाकर लेकिन 5 वर्ष में 10 करोड़ बेरोजगार पैदा होकर बैठे रह जाते हैं।

देश में संसाधन सीमित हैं जिसके कारण बेतहाशा बढ़ रही जनसंख्या से अशिक्षा, निर्धनता, प्रदूषण, कुपोषण, बेरोजगारी, नशा, मांसाहार-जीवहत्या, भ्रष्टाचार इत्यादि समस्याएं विकराल रूप से बढ़ती चली जा रही हैं। भारत सरकार के द्वारा जनसंख्या नियंत्रण को लेकर अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है भारतीय शक्ति चेतना पार्टी सरकार से मांग करती है कि अतिशीघ्र जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाकर इसे प्रभावी ढंग से लागू किया जाए ताकि इस अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि को रोक जा सके।

न्यायालयी प्रक्रिया एवं साक्ष्य अधिनियम संबंधी प्रशिक्षण कार्यशाला 20 जुलाई को

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। न्यायालयीन प्रक्रिया एवं साक्ष्य अधिनियम संबंधी कार्यशाला का आयोजन 20 जुलाई 2025 को प्रातः 11:00 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित किया गया है। इस कार्यशाला में माननीय न्यायधीशों जिला न्यायालय मनेंद्रगढ़ द्वारा "न्यायालयी प्रक्रिया एवं साक्ष्य अधिनियम" संबंधी प्रशिक्षण दिया जाना प्रस्तावित है। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के समस्त अनुविभागी अधिकारी (राजस्व), तहसीलदार एवं उनके रीडर उक्त कार्यशाला में निर्धारित तिथि को समयानुसार उपस्थित होकर प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे, ताकि न्यायालयीन प्रकरणों के संचालन में विधिक दक्षता प्राप्त की जा सकें।

जिले में अब तक 477.2 मिमी वर्षा दर्ज

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में मानसून सक्रिय है और लगातार हो रही बारिश से किसानों के चेहरों पर राहत की मुस्कान देखने को मिल रही है। भू-अभिलेख विभाग द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार बीते 24 घंटों में जिले में औसतन 14.5 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 1 जून से 17 जुलाई 2025 तक जिले में कुल औसत 477.2 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की जा चुकी है, जो खरीफ फसलों की बोआई और उनकी प्रारंभिक बढ़वार के लिए अनुकूल मानी जा रही है। तहसीलवार आंकड़ों में कोटाडोल 636.6 मिमी वर्षा के साथ पहले स्थान पर है। भरतपुर में 596.5 मिमी, चिरमिरी में 442.7 मिमी, खड़गवां में 408.9 मिमी, केल्हारी में 395.7 मिमी और मनेन्द्रगढ़ में 383.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

आबकारी अफसर ने शराब दुकान कर्मचारियों को मारे लात-घूंसे

ठेकेदार बोले- अवैध वसूली करने आए; धमकी दी- दुकान सरेंडर करें वरना बर्बाद कर दूंगा

जबलपुर (एजेंसी)। सहायक आबकारी आयुक्त संजीव दुबे ने 4 शराब दुकानों में घुसकर कर्मचारियों से मारपीट की। आरोप है कि संजीव दुबे अवैध वसूली के लिए दबाव बना रहे थे। मांग पूरी न होने पर उन्होंने लात-घूंसे मारे। कहा- मालिक से कहना दुकान सरेंडर कर दे, वरना बर्बाद कर दूंगा। पिटाई के सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए हैं। जहां संजीव दुबे ने मारपीट की, वो चारों शराब दुकान ठेकेदार अजय सिंह बघेल की हैं। गुरुवार शाम को ठेकेदार नरसिंहपुर में थे। जानकारी के अनुसार, शाम को संजीव दुबे कुछ कर्मचारियों के साथ ठेकेदार की दुकानों पर गए। यहां करीब तीन घंटे तक हंगामा किया। एक दुकान में लगे सीसीटीवी की डीवीआर भी निकालकर ले गए।

ठेकेदार अजय सिंह बघेल ने बताया कि मामले की शिकायत सीएम डॉ. मोहन यादव, आबकारी मंत्री जगदीश देवड़ा और वाणिज्यकर विभाग प्रमुख सचिव तक पहुंचाई गई है। सहायक आबकारी आयुक्त संजीव दुबे लंबे समय से छोटे ठेकेदारों को परेशान कर रहे हैं। पिटाई से घबराकर चारों दुकानों के सेल्समैन काम छोड़कर चले गए,

जिससे बिक्री भी प्रभावित हो रही है। दुकानें सरेंडर करने की नौबत आ गई है।

दुकान के बाहर भी की मारपीट: जागृति इंटरप्राइजेज के पार्टनर अजय सिंह बघेल ने प्रमुख सचिव को पत्र में बताया कि वह साल 2025-26 के लिए बरेला मदिरा समूह के लाइसेंसी हैं। 17 जुलाई को सहायक आबकारी आयुक्त बरेला शराब दुकान पहुंचे और गद्दीदार उपेंद्र मिश्रा से मालिक के बारे में पूछा। जब वह चुप रहा तो संजीव दुबे को यह बात नागवार गुजरी। उन्होंने गद्दीदार को लात-घूंसे मारे। दुकान के बाहर भी कर्मचारियों से पिटवाया। देर रात बरेला थाने में संजीव दुबे और उनके साथ आए अन्य कर्मचारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई।

'दुकान सरेंडर करो, वरना तबाह कर देंगे': प्रमुख सचिव को लिखे पत्र में यह भी कहा गया कि संजीव दुबे ने धमकी दी कि जिले में अब शराब दुकान नहीं चलाने देंगे। सभी लोगों पर 34(2) का प्रकरण (अवैध शराब के कब्जे और वितरण) बनाकर जेल भिजवा दूंगा। इसके बाद वह धनपुरी दुकान पहुंचे, वहां भी सेल्समैन अमर गुप्ता के साथ मारपीट की और सीसीटीवी डीवीआर अपने साथ ले गए। वहां भी यही धमकी दी गई कि दुकान सरेंडर कर दो, वरना तबाह कर देंगे। बरेला नंबर 2 और पड़वार दुकान में भी कर्मचारियों के साथ गाली-गलौज की गई।

कर्मचारी चले गए, दुकान चलाना मुश्किल: ठेकेदार अजय सिंह बघेल ने पत्र में बताया कि उनके समूह की दुकानों की लाइसेंस फीस समय पर भरी जा रही है, लेकिन सहायक आबकारी आयुक्त लगातार परेशान कर रहे हैं। कर्मचारी काम छोड़कर चले गए हैं। दुकान चलाना मुश्किल हो गया है। अगर कर्मचारी नहीं लौटे, तो लाइसेंस फीस समय पर नहीं भर पाएंगे और लाइसेंस निरस्त हो सकता है। ऐसी स्थिति में इसकी पूरी जिम्मेदारी संजीव दुबे की होगी। न्यायालय की शरण लेनी पड़ सकती है।

आबकारी आयुक्त बोले- विभाग का लेना-देना नहीं: मामले पर आबकारी आयुक्त अभिजीत अग्रवाल ने कहा, मेरी जानकारी में यह नहीं है कि संजीव दुबे ने मारपीट की है। अगर ऐसा हुआ है तो पुलिस अपनी जांच करेगी। ठेकेदार स्वतंत्र हैं कि थाने में शिकायत दर्ज कराएं। उसके बाद कार्रवाई संबंधित थाना पुलिस करेगी। विभाग का ऐसे विवादों से कोई लेना-देना नहीं है।

ऑफिस के बाहर लगाया पोस्टर: सहायक आबकारी आयुक्त संजीव दुबे ने अपने कार्यालय के बाहर एक पोस्टर लगाया है, जिसमें लिखा है, समस्त मीडिया से अनुरोध है कि आबकारी विभाग से संबंधित सभी जानकारी और खबरों के लिए सहायक जिला आबकारी अधिकारी दृगचंद चतुर्वेदी से संपर्क किया जाए।

पहले भी विवादों में रहे संजीव दुबे

इंदौर में ट्रेजरी चालानों में हेराफेरी कर आबकारी राजस्व में 40 करोड़ से ज्यादा का घोटाला और भोपाल में शराब के अवैध परिवहन की शिकायतों के चलते संजीव दुबे पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी बीच, करीब एक साल पहले उनकी पोस्टिंग जबलपुर में हुई, लेकिन यहां भी वे विवादों में घिर गए हैं।

लहराते हुए ट्रक ने टैक्सी को मारी टक्कर, दो मृत; 8 लोग घायल

सिवनी (एजेंसी)। रूखड़ के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने यात्रियों से भरी टैक्सी को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि 8 लोग घायल हैं। हादसा शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे कुरई थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर हुआ। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टैक्सी फोरलेन की साउंडप्रूफ दीवार से जा टकराई। मृतकों की पहचान 55 वर्षीय संतकुमार हरदिया और 50 वर्षीय रामकिशोर बरमैया के रूप में हुई।

हादसे में टैक्सी में सवार 8 लोग घायल हुए हैं। इनमें ड्राइवर प्रदीप राय (31), मीनाक्षी उइके (20), नीलेश्वर उइके (18), अंजनी सिरसाम (26), शकीला बी (45), सुरैया खान (27), सकुन बाई (45) और सत्यभान (21) शामिल हैं। इनमें से एक महिला की हालत गंभीर होने के कारण उसे नागपुर रेफर किया गया है। बाकी घायलों का इलाज कुरई अस्पताल में चल रहा है।

कुरई थाना प्रभारी कृपाल सिंह तेकाम के अनुसार, दुर्घटना में शामिल ट्रक (नंबर एचआर 38 एएस 6721) को जब्त कर लिया गया है। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। सभी यात्री सिवनी के छिंदवाड़ा चौक से खवासा की ओर जा रहे थे। यही कारण था कि मृतकों की पहचान में काफी समय लगा।

दो स्थानों पर मारपीट और चाकूबाजी

तीन लड़कों ने ऑटो चालक को बेरहमी से पीटा; युवक पर चाकू से हमला

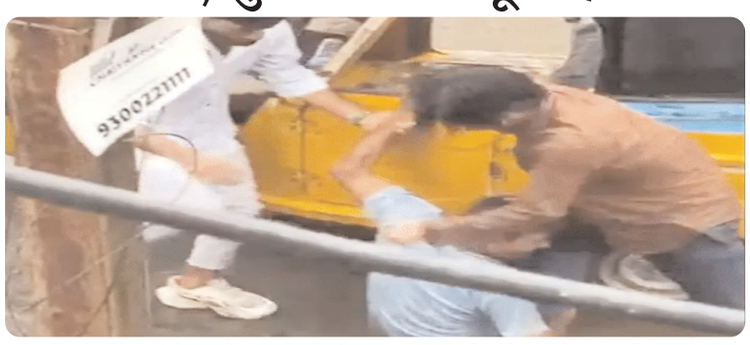

जबलपुर (एजेंसी)। गोरा बाजार और माढ़ोताल में दो लोगों से सरेआम मारपीट का वीडियो सामने आए हैं। एक वीडियो गोरा बाजार थाना क्षेत्र का है। जहां तीन लड़के मिलकर एक ऑटो चालक को बेरहमी से पीट रहे हैं। वहीं कुछ लोग वहां खड़े तमाशा देख रहे हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि विवाद की वजह क्या थी, इसकी जानकारी नहीं है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। ऑटो चालक के साथ मारपीट करने वाले कौन हैं और आखिर क्यों उसे पीटा गया, यह अभी पता नहीं चल सका है।

माढ़ोताल थाना क्षेत्र में युवक पर चाकू से हमला: वहीं, दूसरा वीडियो गुरुवार को जबलपुर के माढ़ोताल थाना क्षेत्र स्थित दीनदयाल चौक के पास का है, जहां एक व्यक्ति फोन पर बात करते हुए सड़क पार कर रहा था। सामने कुछ लड़के खड़े थे, तभी विवाद शुरू हो गया। इस बीच तीन लड़के आए और एक ने चाकू से हमला कर दिया। एक लड़का लगातार चाकू से वार कर रहा था, जबकि उसके साथ आए दो लड़के थप्पड़ मार रहे थे। बीच सड़क पर मारपीट होते देख लोगों की भीड़ लग गई, जिसके बाद बदमाश मौके से फरार हो गए।

अंशुल खरे समेत चार आरोपियों पर केस दर्ज: एएसपी सूर्यकांत शर्मा ने बताया कि गोरा बाजार में जिस ऑटो चालक के साथ मारपीट हुई है। उसकी जानकारी जुटाई जा रही है। हमला करने वाले कौन हैं?, यह अभी पता नहीं है। एएसपी का कहना है कि दूसरा वीडियो दीनदयाल चौक का है, उसमें घायल गौरव बाजपेयी की शिकायत पर पुलिस ने अंशुल खरे और उसके तीन अन्य साथियों के खिलाफ मामला दर्ज कर तालाश शुरू कर दी है। विवाद की वजह पुरानी रंजिश बताई जा रही है।

फांसी से पहले ट्रैक पर जान देने गई थी युवती

थाने में समझौते के बाद भी परेशान कर रहा था आरोपी, सुसाइड किया

ग्वालियर (एजेंसी)। पुरानी छावनी के गंगा मालनपुर में रहने वाली एक युवती पड़ोस में रहने वाले युवक से इतनी परेशान हो गई कि उसने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवती ने 2 जुलाई को पुरानी छावनी थाने में आरोपी युवक के खिलाफ शिकायत की थी, लेकिन पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने की बजाय आरोपी और उसके परिजनों को थाने बुलाकर दबाव डालकर समझौता करा दिया।

यह समझौता पत्र अब सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। अब खुलासा हुआ है कि समझौते से दुखी युवती उसी दिन मानसिक प्रताड़ना के चलते रेलवे ट्रैक पर जाकर आत्महत्या के लिए लेट गई थी, लेकिन उसकी मां समय पर पहुंच गई और उसे बचा लिया। तभी से युवती ने ठान लिया था कि मनीष कुशवाह की प्रताड़ना का अंत वह अपनी जान देकर करेगी। परिजन का आरोप है कि पुलिस ने भरोसा दिलाया था कि युवक उसे परेशान नहीं करेगा। यदि उसी दिन एफआईआर दर्ज हो जाती, तो आज उनकी बेटी जिंदा होती।

बातचीत बंद करने पर करने लगा पीछा और छेड़छाड़: पता चला है कि युवती की आरोपी मनीष कुशवाह से दो साल से जान-पहचान थी। मनीष उसे ब्लैकमेल कर गलत काम करने के लिए

दबाव डालता था, जिसके चलते युवती ने उससे बातचीत बंद कर दी थी। इसके बाद मनीष ने उसे परेशान करना शुरू कर दिया। वह आए दिन रास्ते में छेड़छाड़ करता, कभी हाथ पकड़ लेता, तो कभी जबरदस्ती अपने साथ चलने के लिए मजबूर करता। यही नहीं, उसने उनके साथ के फोटो एडिट कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए। जब ये फोटो युवती के भाई के पास पहुंचे, तो घर में विवाद शुरू हो गया।

दोस्तों को फोटो दिखाकर करता था बदनाम: गंगा मालनपुर में पिछले तीन महीने में मनीष कुशवाह ने युवती को बदनाम कर दिया था। वह उसके साथ के फोटो अपने दोस्तों को दिखाता था। इस पर दोस्त युवती के लिए गलत शब्दों का इस्तेमाल करते थे। पूरे गांव में उसे बदनाम कर दिया था। लगातार बदनामी से युवती पूरी तरह टूट चुकी थी।

चाचा बोले- रोजाना परेशान करता था आरोपी: युवती के चाचा ने बताया कि भतीजी आंगनबाड़ी में जॉब करती थी। पास रहने वाला युवक उसे कई महीनों से परेशान कर रहा था। वह उसका पीछा करता और मौका पाकर छेड़छाड़ करता। परेशान होकर भतीजी के साथ हम लोग 2 जुलाई को पुरानी छावनी थाने भी गए। थाने पर पुलिस ने दूसरे पक्ष को बुलाकर समझौता करा दिया था। समझौते में आरोपी युवक के परिजन ने भरोसा दिया था कि वह अब परेशान नहीं करेगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ, वह और ज्यादा परेशान करने लगा था।

थाने में राजीनामा में युवती से यह लिखवाया गया था: हस्तलिखित राजीनामे में युवती ने लिखा था- 'मैं गंगा मालनपुर की निवासी हूं। मेरा पड़ोस में रहने वाले मनीष से कुछ विवाद था, जिस कारण मैं पुरानी छावनी थाने में शिकायत करने आई थी, लेकिन थाने में हमारे रिश्तेदार और पड़ोसी आ गए थे, जिनके समझाने पर मेरा और मनीष का विवाद खत्म हो गया है। अब हमारा आपस में समझौता भी हो गया है। अब मैं किसी भी प्रकार की पुलिस सहायता नहीं चाहती हूं। इस राजीनामे पर युवती के अलावा मनीष और रामप्रकाश के हस्ताक्षर हैं। राजीनामा पत्र में 2 जुलाई 2025 की तारीख का उल्लेख है।

रिश्वत मांगने वाले पटवारी पर कार्रवाई, नामांतरण के लिए मांगे थे पैसे

दतिया (एजेंसी)। जिले के जुझारपुर हल्का नंबर 40 के पटवारी प्रमोद सिहारे को कलेक्टर स्वप्निल वानखड़े ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। उन पर नामांतरण और सीमांकन जैसे कामों के एवज में पैसे मांगने का आरोप है। यही नहीं, एक ऑडियो भी वायरल हुआ है, जिसमें कथित तौर पर प्रमोद सिहारे को पैसों की मांग करते सुना जा सकता है।

शिकायत मिलने के बाद कलेक्टर ने पूरे मामले की जांच कराई, जिसमें कई गंभीर गड़बड़ियां सामने आईं। सिहारे ना तो पटवारी मुख्यालय में निवास कर रहे थे, ना ही समय पर राजस्व वसूली का काम कर रहे थे। इतना ही नहीं, 'साइबर 2.0' पोर्टल पर लंबित प्रकरणों में समय पर जवाब भी नहीं दिया गया। यह वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों की सीधी अनदेखी मानी गई। कलेक्टर वानखड़े ने इसे शासकीय कार्यों में लापरवाही और पद का दुरुपयोग मानते हुए, मध्य प्रदेश सिविल सेवा नियमों के तहत कार्रवाई की। निलंबन की अवधि में प्रमोद सिहारे का मुख्यालय सेवढ़ा तहसील रहेगा और उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता मिलेगा।

आज स्कूली छात्रों को छुट्टी, शिक्षक और कर्मचारियों को आना होगा, पूर्व निर्धारित परीक्षाएं होंगी

अशोकनगर (एजेंसी)। लगातार हो रही बारिश के कारण जिला कलेक्टर आदित्य सिंह ने 19 जुलाई को स्कूली छात्रों के लिए छुट्टी की घोषणा की है। यह छुट्टी नर्सरी से लेकर 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए रहेगी। छुट्टी का आदेश सभी शासकीय, अशासकीय, नवोदय, केन्द्रीय, सीबीएसई और आईसीएससई बोर्ड के स्कूलों के साथ मदरसों में भी लागू होगा। स्कूल के प्रिंसिपल, शिक्षक और अन्य कर्मचारियों को कार्यालय आना होगा। वे अपने नियमित शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्य करेंगे। पूर्व निर्धारित परीक्षाएं अपने तय समय पर आयोजित की जाएंगी। जिला प्रशासन ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों को स्कूल न भेजें। साथ ही मौसम की स्थिति पर नजर रखें।

शिवपुरी के पीएचई परिसर में कार के ऊपर गिरा पेड़

मालिक ने प्रशासन से की मुआवजे की मांग; मड़ीखेड़ा बांध के दो गेट खुले

शिवपुरी(एजेंसी)। शहर के फिजिकल क्षेत्र स्थित पीएचई विभाग की परिषद में अचानक एक पेड़ गिर गया। पेड़ गिरने से विभाग की बाउंड्रीवाल को नुकसान पहुंचा, साथ ही पास में खड़ी एक कार भी इसकी चपेट में आ गई। जानकारी के मुताबिक पेड़ भरत गोयल की कार पर जा गिरा, जिससे कार को काफी नुकसान पहुंचा है। गनीमत रही कि घटना के समय आसपास कोई राहगीर मौजूद नहीं था, वरना जनहानि हो सकती थी। यह मार्ग शहर के व्यस्ततम मार्गों में से एक माना जाता है।

कार मालिक ने प्रशासन से मुआवजे की मांग की: घटना के बाद सड़क पर लंबे समय तक ट्रैफिक जाम लगा रहा। कार मालिक भरत गोयल ने प्रशासन से मुआवजे की मांग की है। स्थानीय

लोगों का कहना है कि पुराने और भारी पेड़ों की समय रहते छंटाई न होने से इस तरह की घटनाएं सामने आ रही हैं।

मड़ीखेड़ा बांध के दो गेट खोले गए: इधर बारिश के बढ़ते दबाव के चलते मड़ीखेड़ा स्थित अटल सागर बांध के दो गेट शुक्रवार सुबह 9 बजे खोल दिए गए। जल संसाधन विभाग के अनुसार, गेटों से लगभग 377 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है, जो बिजली उत्पादन के साथ जल स्तर नियंत्रण के लिए किया जा रहा है। बांध से पानी छोड़े जाने की सूचना के बाद सिंध नदी के किनारे बसे ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। विभाग लगातार जल स्तर पर निगरानी रखे हुए है।

सामान्य से ज्यादा बारिश होने की संभावना: जिले में 1 जून से अब तक 26.4 इंच बारिश हुई है, जो पिछले साल की इसी अवधि (12.3 इंच) से दोगुनी से भी ज्यादा है। जिले की औसत वार्षिक वर्षा 32.1 इंच है, जिसका 82% अभी से पूरा हो चुका है। पिछले साल पूरे जिले में कुल 50.8 इंच वर्षा हुई थी। इस साल की रफ्तार देखते हुए सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है।

श्योपुर में हरदा पुलिस के लाठीचार्ज का विरोध

करणी सेना ने की न्यायिक जांच की मांग, कहा- एसपी-कलेक्टर को हटाया जाए

श्योपुर(एजेंसी)। करणी सेना ने हरदा में करणी सेना कार्यकर्ताओं पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में शुक्रवार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। डिप्टी कलेक्टर संजय जैन को दिए गए ज्ञापन में पूरे प्रकरण की न्यायिक जांच की मांग की गई है। मामला एक वर्ष पुराना है, जब हरदा निवासी आशीष राजपूत ने हीरा खरीद में धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई थी। इस मामले में आरोपी मोहित और उमेश को गिरफ्तार किया गया था। लेकिन बाद में उन्हें बिना कोई ठोस कार्रवाई के छोड़ दिया गया।

पुलिस पर अभद्रता करने का आरोप लगाया: करणी सेना के अनुसार, जब फरियादी और समाज के लोग पुलिस से रिमांड और गहन जांच की मांग करने थाने पहुंचे, तो पुलिस ने उनके साथ अभद्रता की। करणी सेना के जीवन सिंह शेरपुर को धरना समाप्त कराने के लिए बुलाया गया। लेकिन उनके पहुंचते ही पुलिस ने उन पर हमला कर दिया।

हरदा कलेक्टर-एसपी को हटाने की मांग: ज्ञापन में आरोप है कि पुलिस ने शेरपुर के साथ मारपीट की। उनके वाहनों को नुकसान पहुंचाया। छात्रावास में घुसकर बच्चों और महिलाओं के साथ धक्का-मुक्की की। करणी सेना ने मुख्यमंत्री से हरदा के पुलिस अधीक्षक, कलेक्टर और थाना प्रभारी को हटाने की मांग की है।

कार्रवाई न होने पर किया जाएगा विरोध: करणी सेना ने चेतावनी दी है कि उचित कार्रवाई नहीं होने पर लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर जिला अध्यक्ष नितिन सिंह सोलंकी, उपाध्यक्ष राघवेंद्र सिंह तोमर, जिला सचिव टिल्लू सिंह चन्द्रवात समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

एमपी का घूसखोर नारकोटिक्स इंस्पेक्टर और दलाल गिरफ्तार

एक करोड़ की रिश्वत मांगी, 53 लाख में सौदा हुआ, 44 लाख ले चुके थे

उज्जैन (एजेंसी)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की जयपुर टीम ने मध्यप्रदेश के केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के घूसखोर इंस्पेक्टर और दलाल को पकड़ा। इंस्पेक्टर ने नारकोटिक्स के केस में परिवार को नहीं फंसाने की एवज में 1 करोड़ रुपए की रिश्वत की मांगी थी। सौदा 53 लाख रुपए में तय हुआ था। 3 किश्त में दलाल के जरिए 44 लाख ले चुका था। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो जयपुर में 15 जुलाई को परिवादी बड़ीसादड़ी निवासी मांगीलाल गुर्जर ने शिकायत दी थी। मांगीलाल ने बताया था कि उज्जैन में तैनात नारकोटिक्स इंस्पेक्टर महेंद्र सिंह ने बड़ीसादड़ी स्थित उसके घर पर 27 मार्च को छापा मारकर 400 किलो डोडाचूरा जब्त किया था।

छापे के बाद, महेंद्र सिंह ने मांगीलाल के परिवार से कहा था कि वे चित्तौड़गढ़ के डूंगला में आला खेड़ी निवासी जगदीश मेनारिया से संपर्क कर लें। थोड़े दिन बाद

जगदीश ने खुद मांगीलाल से संपर्क किया। महेंद्र सिंह ने जगदीश के जरिए मांगीलाल को धमकी दी कि अगर वह 1 करोड़ रुपए की रिश्वत नहीं देगा, तो उसे और उसके पूरे परिवार को नारकोटिक्स के केस में फंसा देगा। उसके बाद सौदा 53 लाख में तय हो गया। मांगीलाल तीन किश्त में दलाल के जरिए 44 लाख रुपए आरोपी को दे चुका था, लेकिन रिश्वत का सिलसिला यहीं नहीं रुका।

महेंद्र सिंह और जगदीश मेनारिया ने नौ लाख रुपए की और मांग की। परेशान होकर मांगीलाल ने सीबीआई जयपुर की टीम को शिकायत की। सीबीआई टीम ने शिकायत का सत्यापन करवाया, तो सही निकली। इसके बाद सीबीआई की टीम की योजना के अनुसार पीड़ित ने तीन लाख रुपए देने के बहाने गुरुवार रात दलाल को सांवलिया जी के पास एक होटल में बुलवाया। जैसे ही दलाल पैसे लेने आया, सीबीआई की टीम ने उसे पकड़ लिया।

महेंद्र सिंह को उज्जैन से गिरफ्तार किया: दलाल की गिरफ्तारी के बाद पूछताछ की गई, तो पूरे मामले में नारकोटिक्स इंस्पेक्टर महेंद्र सिंह का नाम आया। इसके बाद सीबीआई की टीम ने शुक्रवार को महेंद्र सिंह को उज्जैन से गिरफ्तार किया। जांच में यह भी पता चला कि आरोपी महेंद्र सिंह ने सीकर, जयपुर और नीमच में गलत तरीके से कमाए गए पैसे से कई संपत्तियां खरीदी हैं।

बीमा कंपनी को उपभोक्ता फोरम का झटका

हेल्थ क्लेम खारिज करना पड़ा भारी; 2.85 लाख मुआवजा और केस खर्च चुकाने का आदेश

ग्वालियर (एजेंसी)। जिला उपभोक्ता फोरम ने स्टार हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस कंपनी के खिलाफ अहम फैसला सुनाया है। फोरम ने बीमा कंपनी को उपभोक्ता को 2 लाख 83 हजार 306 रुपए मुआवजा देने के साथ 6% वार्षिक ब्याज, 1 हजार रुपए क्षतिपूर्ति और 1 हजार रुपए वाद व्यय चुकाने का आदेश दिया है। मामला ग्वालियर निवासी अशोक कुमार अग्रवाल से जुड़ा है, जिन्होंने अप्रैल 2022 में हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी ली थी। अप्रैल 2023 में वे अचानक घर में फिसलकर गिर पड़े, जिससे उनके कूल्हे में गंभीर चोट आई। इलाज के लिए एमआरआई और एक्सरे के बाद दिल्ली में ऑपरेशन करवाना पड़ा, जिसमें कुल 2.81 लाख रुपये का खर्च आया।

बीमा कंपनी ने क्लेम इस आधार पर खारिज कर दिया कि उपभोक्ता पहले से घुटनों की बीमारी से पीड़ित थे और उन्होंने यह जानकारी छुपाई। लेकिन उपभोक्ता फोरम ने बीमा कंपनी की यह दलील सिरे से खारिज कर दी। फोरम ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि कंपनी उपभोक्ता की पूर्व बीमारी का कोई ठोस दस्तावेजी प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर सकी। ऐसे में बीमा क्लेम को अस्वीकार किया जाना 'सेवा में कमी' की श्रेणी में आता है। फोरम ने बीमा कंपनी को निर्देश दिया है कि वह तय राशि 30 दिन के भीतर उपभोक्ता को अदा करे, अन्यथा अतिरिक्त ब्याज देना होगा।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी ओपन 2025 में कई दिग्गज खिलाड़ी उतरेंगे मैदान में

न्यूयार्क (एजेंसी)। अमेरिकी ओपन 2025 के लिए तैयारियां पूरी हो चुकी हैं और इस प्रतिष्ठित ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में कई नामी सितारे अपनी किस्मत आजमाने को तैयार हैं। गत चैंपियन यानिक सिनर और दुनिया की नंबर एक महिला खिलाड़ी एरीना सबालेंका उन 10 पूर्व विजेताओं में शामिल हैं जो इस बार भी खिताब के लिए जोर लगाएंगे। अमेरिकी टेनिस एसोसिएशन ने 24 अगस्त से शुरू होने वाले टूर्नामेंट के लिए आधिकारिक प्रवेश सूची जारी की है जिसमें कुल 18 पूर्व ग्रैंडस्लैम एकल चैंपियन खिलाड़ियों के नाम शामिल हैं। इस सूची में खिलाड़ियों को सीधे प्रवेश 14 जुलाई तक की विश्व रैंकिंग के आधार पर दिया गया है। पुरुष खिलाड़ियों के लिए कटऑफ 101वीं रैंकिंग रही जबकि महिला वर्ग में यह सीमा 99वीं रैंकिंग पर थी। इसका मतलब है कि इस साल भी कोर्ट पर दुनिया के कई बड़े सितारे और अनुभवी नाम एक बार फिर अपनी दावेदारी पेश करेंगे और दर्शकों को कड़ी टक्कर वाले मुकाबले देखने को मिलेंगे। विश्व के नंबर वन पुरुष खिलाड़ी यानिक सिनर इस समय शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने हाल ही में विंबलडन फाइनल में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज को हराकर अपना चौथा ग्रैंडस्लैम खिताब जीता और अब वह अमेरिकी ओपन में भी उसी लय को बरकरार रखना चाहेंगे। दूसरी ओर, महिला वर्ग की नंबर एक खिलाड़ी एरीना सबालेंका विंबलडन में सेमीफाइनल तक पहुंची थीं, हालांकि वहां उन्हें अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा के हाथों हार का सामना करना पड़ा। अनिसिमोवा इस समय विश्व रैंकिंग में सातवें स्थान पर हैं और अमेरिकी ओपन में शीर्ष आठ खिलाड़ियों में शामिल चार अमेरिकी महिला खिलाड़ियों में से एक हैं, जो घरेलू दर्शकों के सामने खिताब जीतने की प्रबल दावेदार मानी जा रही हैं। अमेरिका की तरफ से इस बार सबसे ज्यादा 30 खिलाड़ियों को टूर्नामेंट में सीधा प्रवेश मिला है, जिनमें 16 महिला और 14 पुरुष खिलाड़ी शामिल हैं। इससे साफ है कि घरेलू दर्शकों को अपने पसंदीदा खिलाड़ियों का शानदार खेल देखने का भरपूर मौका मिलेगा और टूर्नामेंट में जबरदस्त रोमांच की उम्मीद की जा रही है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई (एजेंसी)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 20 पैसे की गिरावट के साथ ही 85.96 रुपये पर बंद हुआ। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी तथा निर्यात एवं आयात में गिरावट के बीच रुपया आज शुरुआती कारोबार में 22 पैसे टूटकर 85.98 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी के प्रवाह ने हालांकि स्थानीय मुद्रा में भारी गिरावट को रोका। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 86.02 पर खुला। फिर 85.98 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 22 पैसे की गिरावट दिखात है। विदेशी बाजार में डॉलर के कमजोर होने और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से रुपया मंगलवार को 16 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.76 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 फीसदी की हल्की गिरावट के साथ 98.60 पर आ गया।

शेयर बाजार मे रही गिरावट

मुम्बई (एजेंसी)। शेयर बाजार शुक्रवार के गिरावट के साथ खुला। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही सत्र में बैंकिंग शेयरों के नीचे आने से आई है। आज सुबह कारोबार शुरु होने पर तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 242 अंक नीचे आकर 82,014 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 64 अंक फिसलकर 25,044 पर पहुंच गया। सबसे अधिक गिरावट बैंकिंग शेयरों में रही। सुबह निफ्टी बैंक 323 अंक तकरीबन 0.57 फीसदी नीचे आकर 56,490 पर था। आज कारोबार के दौरान लार्जकैप की जगह मिडकैप और स्मॉलकैप में सपाट दर्ज किया गया। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 68 अंक की हल्की गिरावट के साथ 59,450 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 21 अंक की कमजोरी के साथ 19,095 पर था। निफ्टी में ऑटो, पीएसयू बैंक, मेटल, रियल्टी और कमोडिटी शेयरों में तेजी रही जबकि आईटी, फाइनेंशियल सर्विसेज, फार्मा, एफएमसीजी, एनर्जी, प्राइवेट बैंक और इन्फ्रा शेयर नीचे आये। सेंसेक्स पैक में एमएंडएम, टाटा स्टील, पावर ग्रिड, एलएंडटी, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंफोसिस, टाटा मोटर्स, बीईएल, एनटीपीसी, टीसीएस, ट्रेंट और मारुति सुजुकी के शेयरों में सबसे अधिक गिरावट रही। एक्सिस बैंक, भारती एयरटेल, कोटक महिंद्रा बैंक, टेक महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, इटरनल (जोमैटो), एचयूएल, सन फार्मा, बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन और बजाज फिनसर्व के शेयरों में गिरावट देखी गयी। जुलाई में अब तक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली से अधिकतर बाजारों में गिरावट रही। इस साल अब तक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की गतिविधियों में एक स्पष्ट पैटर्न देखने को मिला है। आज सुबह प्रमुख एशियाई बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। शंघाई, हांगकांग, बैंकॉक और जकार्ता में सबसे ज्यादा बढ़त रही। जबकि टोक्यो और सियोल में गिरावट दर्ज की गई। वहीं निवेशकों की सकारात्मक धारणा के कारण गुरुवार को अमेरिकी बाजार में बढ़त रही। इस दौरान विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) 17 जुलाई को लगातार दूसरे सत्र में शुद्ध बिकवाल रहे और उन्होंने 3,694 करोड़ रुपए के शेयर बेचे।

सोने में नरमी, चांदी में आई तेजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। घरेलू बाजार में शुक्रवार को सोने की कीमतों में नरमी रही। इसके अलावा चांदी के वायदा कारोबार में भी बढ़त रही है। घरेलू बाजार में सोना भाव 97,400 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,12,600 रुपये के करीब कारोबार कर रहा था। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार सोने के वायदा भाव नीचे आये जबकि चांदी के भाव ऊपर आये। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध आज 153 रुपये नीचे आकर 97,320 रुपये के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 97,473 रुपये था। वहीं एक समय ये अनुबंध 74 रुपये की गिरावट के साथ 97,399 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय ये 97,434 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 97,320 रुपये के भाव पर निचले स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव इस साल 1,01078 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। आज सुबह चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही।

एमसीएक्सा पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर अनुबंध आज 195 रुपये की तेजी के साथ 1,12,529 रुपये पर खुला। वहीं इसका पिछला बंद भाव 1,12,334 रुपये था। एक समया ये अनुबंध 254 रुपये की तेजी के साथ 1,12,588 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। ये 1,12,800 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 1,12,529 रुपये के भाव पर निचले स्तर पर पहुंचा। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 1,15,136 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचा। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने चांदी के वायदा भाव की शुरुआत में तेजी रही पर सोने के भाव बाद में नीचे आ गये। कॉमेक्स पर सोना 3,347.50 डॉलर प्रति औंस पर खुला। दूसरी ओर कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 38.42 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला क्लोजिंग प्राइस 38.30 डॉलर था।

टीम में बुमराह की मौजूदगी पर डेविड लॉयड ने उठाए अहम सवाल

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट में 22 रनों की हार के बाद भारतीय खेमे में निराशा का माहौल है। खासतौर पर जसप्रीत बुमराह को लेकर एक दिलचस्प चर्चा छिड़ गई है। इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर डेविड लॉयड ने बुमराह की मौजूदगी और टीम के प्रदर्शन के बीच के फर्क को लेकर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि बुमराह को इंग्लैंड में सबसे बड़ा मैच विनर माना जा रहा था, लेकिन मौजूदा सीरीज में उन्होंने दो टेस्ट खेले (लीड्स और लॉर्ड्स) और दोनों में भारत को हार का सामना करना पड़ा। वहीं, जिस बर्मिंघम टेस्ट में बुमराह नहीं खेले, उसमें भारत को जीत मिली। डेविड लॉयड ने एक बातचीत में कहा, यह असाधारण आंकड़ा है। कहा जाता है कि जब वह खेलते हैं तो भारत ज्यादा हारता है और जब नहीं खेलते तो ज्यादा मैच जीतता है। वह दुनिया के बेहतरीन गेंदबाज हैं, लेकिन ये संयोग अब चर्चा का विषय बन गया है। बर्मिंघम टेस्ट में बुमराह को आराम दिया गया था और उस मुकाबले में मोहम्मद सिराज व आकाश दीप की शानदार गेंदबाजी के दम पर भारत ने जीत दर्ज की थी। सिराज और आकाश दीप ने मिलकर उस मैच में 16 विकेट झटके थे। इससे पहले भारतीय चयन समिति और कोच गौतम गंभीर ने यह स्पष्ट किया था कि बुमराह को पांच में से केवल तीन टेस्ट में खिलाया जाएगा। अब जबकि वह दो मैच खेल चुके हैं और सीरीज 1-2 के स्कोर पर है, डेविड लॉयड का मानना है कि चौथा टेस्ट निर्णायक होगा। उन्होंने कहा, अगर भारत को सीरीज बराबर करनी है तो बुमराह को ओल्ड ट्रैफर्ड टेस्ट में उतरना होगा। अगर भारत 2-2 कर देता है, तो फिर शायद वह ओवल टेस्ट में भी खेलें। उन्होंने यह भी जोड़ा कि अगर इंग्लैंड चौथा मैच जीतकर सीरीज 3-1 से अपने नाम कर लेता है, तो भारत बुमराह को अंतिम टेस्ट से आराम दे सकता है। लेकिन यदि स्कोर 2-2 हो जाता है, तो टीम प्रबंधन उन्हें ओवल टेस्ट में जरूर उतारने पर विचार करेगा। हालांकि डेविड लॉयड ने यह भी माना कि बुमराह एक बेहतरीन गेंदबाज हैं और उनका एक्शन दुनिया में सबसे अनोखा है।

वेस्टइंडीज-पाकिस्तान मैच फॉर्मेट को लेकर नहीं बनी सहमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के बीच अगस्त में प्रस्तावित क्रिकेट सीरीज को लेकर दोनों देशों के बोर्डों में असहमति का माहौल बन गया है। 1 से 12 अगस्त तक अमेरिका और कैरेबियाई द्वीपों में दोनों टीमों को तीन-तीन टी20 और वनडे मैच खेलने हैं, लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड चाहता है कि यह पूरी सीरीज केवल टी20 प्रारूप में खेली जाए। इसके विपरीत वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड इस मांग को स्वीकार नहीं कर रहा और निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सभी मैच कराने पर अड़ा है। पाकिस्तान का तर्क है कि अगले साल भारत और श्रीलंका में टी20 विश्व कप होना है, ऐसे में टीम को ज्यादा से ज्यादा टी20 मैच खेलने चाहिए ताकि तैयारी पुख्ता की जा सके। इसी कारण पीसीबी वनडे सीरीज को भी टी20 सीरीज में बदलने का आग्रह कर रहा है। लेकिन वेस्टइंडीज की स्थिति अलग है। पिछली बार जब भारत में वनडे विश्व कप खेला गया था, तो वेस्टइंडीज की टीम उसमें जगह नहीं बना पाई थी। इसी वजह से वह 50 ओवर के मुकाबलों को लेकर गंभीर है और इस फॉर्मेट में ज्यादा मैच खेलना चाहता है। इस विवाद पर वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड के सीईओ क्रिस डेहरिंग ने कहा कि फिलहाल शेड्यूल में कोई बदलाव नहीं किया गया है और पीसीबी से बातचीत जारी है। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर आईसीसी के वार्षिक सम्मेलन के दौरान सिंगापुर में और चर्चा होगी। वेस्टइंडीज बोर्ड इस बात को लेकर आश्वस्त है कि त्रिनिदाद में खेले जाने वाले मैच वनडे ही होंगे और किसी बदलाव की संभावना कम है।

हार के बाद रवि शास्त्री ने खिलाडियों की एकाग्रता पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम की इंग्लैंड से हारने के बाद पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने टीम की रणनीति और बल्लेबाजों की एकाग्रता पर सवाल उठाए हैं। पूर्व बल्लेबाज शास्त्री ने इस मैच के दो खास टर्निंग प्वाइंट्स बताए और कहा कि इन्हीं पलों ने इंग्लैंड की जीत का रास्ता साफ किया। रवि शास्त्री ने कहा कि उनके हिसाब से पहला निर्णायक मोड़ ऋषभ पंत का पहली पारी में रनआउट होना था। पंत उस समय 74 रन पर शानदार बल्लेबाजी कर रहे थे और भारत मजबूत स्थिति में दिख रहा था। बेन स्टोक्स की कप्तानी की तारीफ करते हुए शास्त्री ने कहा कि लंच से ठीक पहले पंत को रनआउट कराना इंग्लैंड के लिए बहुत अहम रहा। उन्होंने कहा कि अगर पंत टिके रहते तो भारत पहली पारी में अच्छी बढ़त हासिल कर लेता और इंग्लैंड दबाव में आ जाता। दूसरा बड़ा टर्निंग प्वाइंट शास्त्री ने करुण नायर का विकेट बताया। चौथे दिन भारत ने दूसरी पारी में 1 विकेट पर 41 रन बना लिए थे और मैच भारत की पकड़ में नजर आ रहा था। लेकिन करुण नायर ने ब्रायडन कार्स की सीधी आती गेंद को छोड़ दिया और पगबाधा हो गए। शास्त्री ने कहा कि यह एकाग्रता की बड़ी चूक थी, जिसने इंग्लैंड के लिए वापसी का मौका खोल दिया। उनके मुताबिक इस विकेट के बाद भारतीय बल्लेबाजी ढह गई और इंग्लैंड ने दबाव बनाकर जीत की ओर कदम बढ़ा दिया। रवि शास्त्री ने भारतीय बल्लेबाजों की मानसिकता पर भी सवाल उठाए।

उन्होंने कहा कि जब निचले क्रम के बल्लेबाज मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा ने बल्लेबाजी की तो उन्होंने बेहतर डिफेंस दिखाया और गेंद पुरानी होने पर मुश्किलें कम हो गईं। उन्होंने कहा कि पांचवें दिन भारत सिर्फ 22 रन से हारा, जबकि एक समय लग रहा था कि मैच तुरंत खत्म हो जाएगा। इससे साफ है कि अगर चौथे दिन भारत का शीर्ष क्रम थोड़ा और धैर्य और एकाग्रता दिखाता तो यह मैच भारत जीत सकता था। शास्त्री के मुताबिक यह हार भारतीय बल्लेबाजों के गलत शॉट चयन और एकाग्रता की कमी का नतीजा रही। बता दें कि भारत और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड ने 22 रन से रोमांचक जीत हासिल कर पांच मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली। इस मैच में भारतीय टीम दूसरी पारी में 193 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 170 रन पर ढेर हो गई।

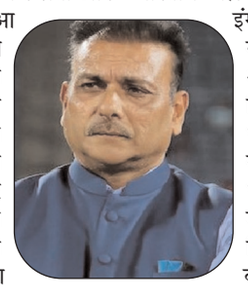

तीनों प्रारूपों में 900+ आईसीसी रेटिंग अंक पाने वाले पहले बल्लेबाज बने कोहली

नई दिल्ली (एजेंसी)। भले ही विराट कोहली ने टी20 और हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया हो, लेकिन उनकी लोकप्रियता और रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन थमने का नाम नहीं ले रहा। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कोहली की टी20 अंतरराष्ट्रीय रेटिंग को बढ़ाकर 909 अंक कर दिया है, जिससे वह खेल के इतिहास में तीनों प्रारूपों टेस्ट, वनडे और टी20ड्ढ में 900 या उससे अधिक आईसीसी रेटिंग अंक प्राप्त करने वाले एकमात्र बल्लेबाज बन गए हैं।
कोहली ने पिछले साल टी20 विश्व कप के फाइनल में 76 रनों की अहम पारी खेली थी, जिससे भारत को खिताबी जीत मिली। उसी प्रदर्शन के आधार पर आईसीसी ने उनकी सर्वकालिक टी20आई रेटिंग को 897 से बढ़ाकर 909 कर दिया है। यह टी20आई इतिहास में तीसरा सबसे ऊंचा स्कोर है, उनसे आगे केवल सूर्यकुमार यादव (912) और इंग्लैंड के डेविड मलान (919) हैं। टेस्ट रैंकिंग में विराट का सर्वश्रेष्ठ रेटिंग स्कोर 937 रहा, जो उन्होंने 2018 में इंग्लैंड दौरे के दौरान हासिल किया था। यह किसी भी भारतीय बल्लेबाज का अब तक का सर्वोच्च टेस्ट रेटिंग स्कोर है और विश्व स्तर पर 11वां। उस दौरे पर उन्होंने 10 पारियों में 593 रन बनाए थे। वहीं, वनडे में 2018 में ही इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के दौरान उन्होंने 909 रेटिंग अंक तक पहुंचते हुए सर्वश्रेष्ठ आंकड़ा छुआ था। विराट कोहली को एक समय तीनों प्रारूपों में आईसीसी रैंकिंग में नंबर एक बल्लेबाज रहने का गौरव प्राप्त है। इस नई उपलब्धि के साथ उन्होंने खुद को सर्वकालिक महान ऑल-फॉर्मेट बल्लेबाजों में एक मजबूत दावेदार के रूप में फिर से स्थापित कर दिया है। उन्होंने टी20आई में 125 मैचों में 48.69 की औसत से 4,188 रन बनाए, जिसमें एक शतक और 25 अर्धशतक शामिल हैं। टेस्ट में उन्होंने 9,230 रन बनाए, जिनमें 30 शतक और 31 अर्धशतक हैं, और वह भारत के चौथे सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। वनडे में वह अब तक के तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं, जिनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 183 है। अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में विराट कोहली ने कुल 27,599 रन बनाए हैं जिसमें 82 शतक और 143 अर्धशतक शामिल हैं। वह भारत के दूसरे और दुनिया के तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं।

लुंगी एनगिडी ने दर्ज की अपने नाम एक बड़ी उपलब्धि

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्राई सीरीज के दूसरे मुकाबले में न्यूजीलैंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दक्षिण अफ्रीका को 21 रनों से मात देकर सीरीज में जीत के साथ आगाज किया। जहां एक ओर न्यूजीलैंड ने बल्ले और गेंद दोनों से दम दिखाया, वहीं दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी ने अपने नाम एक बड़ी उपलब्धि दर्ज की। वे टी20 इंटरनेशनल में दक्षिण अफ्रीका के तीसरे सबसे सफल गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में दिग्गज डेल स्टेन को पीछे छोड़ दिया। एनगिडी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में टिम सिफर्ट का विकेट झटका और इसके साथ ही उनके टी20 इंटरनेशनल में कुल 65 विकेट हो गए। दिलचस्प बात यह रही कि उन्होंने यह आंकड़ा महज 45 मैचों में छू लिया, जबकि स्टेन को इतने विकेट के लिए 47 मुकाबले खेलने पड़े थे। इस सूची में तबरेज शम्सी 70 मैचों में 89 विकेट के साथ शीर्ष पर हैं, जबकि कागिसो रबाडा 65 मैचों में 71 विकेट लेकर दूसरे स्थान पर हैं। मैच की बात करें तो न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट पर 173 रन बनाए। टीम के लिए टिम रॉबिन्सन ने सर्वाधिक 75 रन बनाए, जो उन्होंने 57 गेंदों में जड़े। वहीं बेवन जैकब ने 30 गेंदों में 44 और टिम सिफर्ट ने 22 रन की तेजतर्रार पारी खेली। अफ्रीकी गेंदबाजों के लिए एनगिडी और अन्य प्रयास खास प्रभावशाली नहीं रहे। जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 18.2 ओवर में 152 रन पर सिमट गई। डेवाल्ड ब्रेविस ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाए, जबकि प्रीटोरियस और जार्ज लिंडे ने क्रमश: 27 और 30 रन का योगदान दिया। न्यूजीलैंड की ओर से गेंदबाजी में मैट हेनरी और बेवन जैकब ने तीन-तीन विकेट लिए, जबकि ईश सोढ़ी ने दो सफलताएं अर्जित कीं। न्यूजीलैंड की इस जीत से ट्राई सीरीज में मुकाबला दिलचस्प हो गया है। वहीं लुंगी एनगिडी का रिकॉर्ड दर्शाता है कि वे टीम के लिए लगातार अहम योगदान दे रहे हैं और भविष्य में और भी कीर्तिमान बना सकते हैं।

भारत ने इंग्लैंड को पहले वनडे में 4 विकेट से हराया, दीप्ति शर्मा रहीं हीरो

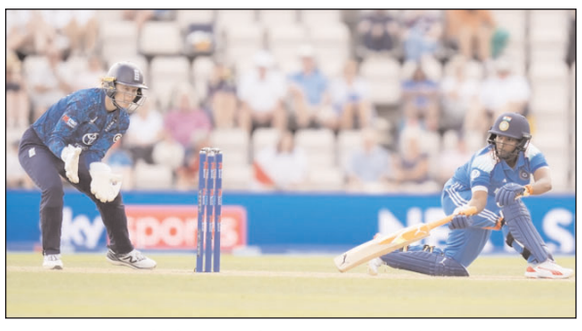

साउथैम्पटन (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज की शानदार शुरुआत की है। साउथैम्पटन में खेले गए पहले मैच में टीम इंडिया ने इंग्लैंड को 4 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने 259 रनों का स्कोर 49वें ओवर में हासिल कर लिया। इस जीत की नायिका रहीं दीप्ति शर्मा, जिन्होंने मुश्किल समय में संयम भरी बल्लेबाजी करते हुए 62 रनों की अहम पारी खेली और प्लेयर ऑफ द मैच बनीं। मैच की शुरुआत इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर ब्रंट ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला करके की, लेकिन टीम को शुरुआत में झटका लगा जब 20 रन तक पहुंचते-पहुंचते दोनों सलामी बल्लेबाज पवेलियन लौट चुके थे। इसके बाद सोफिया डंकली ने 92 गेंदों पर 83 रन की शानदार पारी खेली। डेविडसन रिचर्ड्स ने 53 रन जोड़े, जबकि कप्तान साइवर ब्रंट ने 41 रनों का योगदान दिया। इंग्लैंड की टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में 6 विकेट खोकर 258 रन बनाए। भारत के लिए क्रांति गौड और स्नेह राणा को दो-दो विकेट मिले, जबकि अमनजोत कौर और श्री चरणी ने एक-एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत सधी हुई रही। स्मृति मंधाना ने 28 रन बनाए, जबकि जेमिमा रॉड्रिग्स ने 48 रनों की उपयोगी पारी खेली।

कुछ मैच जीत या हार से बढ़कर होते हैं - केएल राहुल

लॉर्ड्स की हार भुला नहीं पा रहे केएल राहुल

लंदन (एजेंसी)। भारत को लॉर्ड्स टेस्ट में इंग्लैंड के हाथों 22 रनों से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन इस मैच में बल्लेबाजों की जुझारू पारियों ने फैंस का दिल जीत लिया। खासकर केएल राहुल, जिन्होंने दोनों पारियों में शानदार प्रदर्शन किया और मैच के बाद एक भावुक संदेश साझा किया। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा, कुछ मैच जीत या हार से बढ़कर होते हैं। वे आपके जज्बे और आपके चरित्र की परीक्षा लेते हैं, और ऐसे मैचों से मिली सीख आपको और मजबूत बनाती है। राहुल ने लॉर्ड्स टेस्ट की पहली पारी में 100 रनों की शानदार पारी खेली और वह लॉर्ड्स ऑनर्स बोर्ड पर एक से अधिक बार नाम दर्ज कराने वाले केवल दूसरे भारतीय बन गए। मौजूदा सीरीज में राहुल अब तक छह पारियों में 375 रन बना चुके हैं, जिसमें दो शतक और एक अर्धशतक शामिल है। उन्होंने इंग्लैंड में अब तक 12 टेस्ट की 24 पारियों में 41.20 की औसत से 989 रन बनाए हैं, जिसमें चार शतक शामिल हैं। मैच की बात करें तो शुरुआत में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी, लेकिन जल्दी ही उनके दो विकेट गिर गए। इसके बाद जो रूट और ओली पोप की साझेदारी ने पारी को संभाला और फिर निचले क्रम में ब्रायडन कार्स और जेमी स्मिथ की तेजतर्रार पारियों ने इंग्लैंड को 387 के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने 5 विकेट लेकर बेहतरीन प्रदर्शन किया। भारत की पहली पारी में जायसवाल जल्दी आउट हो गए, लेकिन करुण नायर और फिर केएल राहुल व ऋषभ पंत ने टीम को मज़बूती दी। राहुल ने 100 और पंत ने 74 रन बनाए। निचले क्रम में जडेजा के 72 और अन्य योगदानों से भारत भी 387 तक पहुंच गया। इंग्लैंड की दूसरी पारी में वाशिंगटन सुंदर ने 4 विकेट लेकर उन्हें 192 पर समेटा, जिससे भारत को 193 रनों का लक्ष्य मिला। हालांकि, लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत का स्कोर 82/7 हो गया। रवींद्र जडेजा ने नाबाद 61 रन बनाकर उम्मीद जगाई लेकिन मोहम्मद सिराज का दुर्भाग्यपूर्ण आउट होना निर्णायक साबित हुआ। भारत 170 पर ऑलआउट हो गया और 22 रन से हार गया। यह हार सीरीज में भारत को 1-2 से पीछे ले गई, लेकिन खिलाड़ियों के संघर्ष और भावना ने दर्शकों का दिल जीत लिया।

कुलदीप को मैनचेस्टर टेस्ट में खेलते देखना चाहते हैं कपिल

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा है कि मैनचेस्टर में 23 जुलाई से इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले चौथे टेस्ट मैच में चाइननामैन स्पिनर कुलदीप यादव बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। ऐसे में वह कुलदीप को इस मैच में खेलते हुए देखना चाहते हैं। कपिल ने स्वयं कुलदीप को फोन कर ये बात कही है। पांच मैचों की इस सीरीज में अभी भारतीय टीम 1-2 से पीछे है, ऐसे में उसके लिए चौथा टेस्ट बेहद अहम है। भारतीय टीम को लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट में केवल 22 रनों से हार का सामना करना पड़ा। तीनों मैच के दौरान कुलदीप को जगह नहीं मिलने से सभी हैरान हैं क्योंकि टीम में शामिल स्पिनर वॉशिंगटन सुंदर और रविंद्र जडेजा इन मैचों में प्रभावित नहीं कर पाये, केवल बल्लेबाजी के आधार पर इन्हें जगह मिली। ऐसे में कपिल का ये कहना कि मैनचेस्ट टेस्ट में कुलदीप बड़ी भूमिका निभा सकते हैं, ये बात ध्यान में रखनी चाहिये।

घर से चॉकलेट लेने निकली थी; परिजन बोले- यह सिस्टम की अनदेखी का नतीजा

मासूम बच्ची की सड़क किनारे गड्ढे में गिरने से मौत

गांव में पसरा मातम, परिजनों का फूटा गुस्सा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। घर से चॉकलेट लेने निकली 7 साल की बच्ची सड़क किनारे बने फिसलकर गड्ढे में गिर गई। गड्ढे में पानी भरा होने के कारण वह डूब गई और मौके पर ही उसकी जान चली गई। यह घटना रीवा जिले की गुढ़ विधानसभा के ग्राम पंचायत बक्छेरा में हुई। परिजनों के अनुसार, गांव में पक्की सड़क नहीं है और कच्चे रास्तों में जगह-जगह पानी भरा रहता है। दीपांजलि पिता अमित तिवारी, शुक्रवार को घर से पास की दुकान में चॉकलेट लेने गई थी। रास्ते में पैर फिसला और वह कच्चे रास्ते के किनारे बने पानी भरे गड्ढे में गिर गई। हादसे की खबर फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सगरा पुलिस भी मौके पर पहुंची और बच्ची का शव बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए संजय गांधी अस्पताल भेजा गया।

परिजनों और ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से पक्की सड़क की मांग की गई, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। परिजनों का कहना है कि यह मौत लापरवाही और सिस्टम की अनदेखी का नतीजा है। बच्ची के पिता अमित तिवारी ने कहा, कई सालों से अधिकारियों और नेताओं से गुहार लगा रहे हैं कि यह रास्ता जानलेवा है, लेकिन किसी ने नहीं सुनी। आज मेरी 7 साल की बेटी हमारे बीच नहीं है। अब हम किससे इंसाफ मांगें?

ग्रामीणों का कहना है कि नहर निर्माण के लिए की गई खुदाई अधूरी छोड़ दी गई है, जिससे जगह-जगह जलभराव हो गया है। बरसात के मौसम में रास्तों से निकलना मुश्किल हो जाता है।

घटना की गंभीरता को देखते हुए रीवा कलेक्टर डॉ. प्रतिभा पाल ने मामले की जांच के निर्देश दिए हैं। प्रशासन ने अधिकारियों की टीम बनाकर मौके पर भेजा है।

डेढ़ साल का मासूम नाले में डूबा, शव मिलने से बेटी के जन्म की खुशियां मातम में बदलीं

रीवा के विवेकानंद नगर में एक परिवार में बेटी के जन्म की खुशियां उस समय मातम में बदल गईं, जब डेढ़ साल का मासूम बच्चा रुद्रांश गुप्ता नाले में डूब गया। शुक्रवार की सुबह उसका शव द्वारिका नगर के समीप नाले में बरामद होने के बाद पूरे परिवार में शोक की लहर छा गई।गुढ़ थाना क्षेत्र के गोरगी निवासी डेढ़ वर्ष का रुद्रांश गुप्ता अपने ननिहाल विवेकानंद नगर आया हुआ था। बुधवार को उसके परिवार में एक बेटी का जन्म हुआ था, जिससे पूरा घर खुशियों में डूबा था। गुरुवार को खेलते समय बच्चा घर के पास ही स्थित एक नाले में गिर गया। अत्यधिक बारिश के कारण नाले में पानी का बहाव तेज था, जिससे बच्चा बह गया।हादसे की सूचना मिलते ही अफरातफरी मच गई। पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और बच्चे की तलाश शुरू की, लेकिन गुरुवार शाम तक अंधेरा होने के कारण खोज अभियान रोक दिया गया। शुक्रवार सुबह एसडीआरएफ की टीम ने उपनिरीक्षक विकास पांडे के नेतृत्व में फिर से सर्चिंग शुरू की। लगभग सुबह 8.20 बजे स्थानीय लोगों ने द्वारिका नगर के पीछे वाले पुल के पास बच्चे के शव को देखा, जिसकी सूचना टीम को दी गई। टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से शव को बाहर निकाला और अमैया थाने की पुलिस को सौंप दिया।

अमहिया थाना प्रभारी शिवा अग्रवाल ने बताया कि मर्ग कायम कर घटना की जांच की जा रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। परिवार का कहना है कि बेटी के जन्म की खुशी पल भर में दुख में बदल गई।

पेट्रोल पंपों तथा दुकानों से खाद्य सामग्री की सेंपलिंग के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में खाद्य विभाग की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। कलेक्टर ने खाद्यान्न का नियमित परिवहन सुनिश्चित कराते हुए उचित मूल्य दुकानों से पात्र हितग्राहियों को निश्चित समय पर निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न वितरण के निर्देश दिए। उन्होंने समग्र पोर्टल में ई केवाईसी की प्रगति को बढ़ाने तथा खाद्यान्न न लेने वाले हितग्राहियों की सूची का मिलान करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि जिन आठ किसानों को उपज बेचने के उपरांत राशि का भुगतान नहीं किया गया उनका भुगतान कराएं।

समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने पेट्रोल पंपों की जाँच करने तथा दुकानों से खाद्य सामग्री के सेंपल लिए जाने के निर्देश दिए। इस दौरान बताया गया कि 24 पेट्रोल पंपों की जाँच की जा चुकी है। दुकानों की सतत जाँच कर अमानक नमूने के प्रकरण दर्ज कराने के निर्देश कलेक्टर ने बैठक में दिए। कम नमूने लेने पर खाद्य सुरक्षा इंस्पेक्टर इन्द्रजीत सिंह को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। इसी क्रम में स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत खाद्य सुरक्षा से संबंधित प्रकरण में अभिलाष शुक्ल को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश कलेक्टर ने दिए। कलेक्टर ने जिला रजिस्ट्रार क्वापरेटिव सोसायटी को रिकवरी कम होने व समितियों को भुगतान न करने पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, खाद्य अधिकारी कमलेश ताण्डेकर, उप संचालक कृषि यूपी बागरी, महाप्रबंधक क्वापरेटिव बैंक ज्ञानेन्द्र पाण्डेय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी आज आयेंगे रीवा

टीआरएस कॉलेज में छात्रों को करेंगे संबोधित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विंध्य की माटी के सपूत और भारतीय नौसेना के प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी 19 जुलाई को रीवा आ रहे हैं। उनका आगमन छात्रों के लिए एक बड़े प्रेरणा स्रोत के रूप में देखा जा रहा है। वे ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय में आयोजित 'युवा अभिप्रेरणा कार्यक्रम' में छात्रों को संबोधित करेंगे। इस दौरान एडमिरल त्रिपाठी देश सेवा और जीवन में सफलता के अवसर कैसे प्राप्त करें, इस विषय पर युवाओं से चर्चा करेंगे। टीआरएस कॉलेज की प्राचार्य अर्पिता अवस्थी ने इसे कॉलेज के लिए एक गौरव का क्षण बताया। उन्होंने कहा कि एडमिरल त्रिपाठी रीवा के सैनिक स्कूल के ही छात्र रहे हैं। उनका यह दौरा युवा छात्रों को सेना में शामिल होने और सर्वोच्च पदों तक पहुंचने के लिए प्रेरित करेगा। यह कार्यक्रम दोपहर 1 बजे से 2 बजे तक आयोजित होगा।

कॉलेज में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी: इसी दिन, कॉलेज परिसर में भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा 'भारत संस्कृति यात्रा' कार्यक्रम का भी आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम दोपहर 4 बजे से शुरू होगा, जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों से आए कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। इसमें राजस्थान का प्रसिद्ध कालबेलिया एवं घूमर नृत्य, कथक नृत्य, बधाई नृत्य, मयूर नृत्य के साथ ही बघेली और बुंदेलखंडी लोक गायकों की भी प्रस्तुति शामिल होगी।

मऊगंज में बाढ़ ने मचाई तबाही, 60 से ज्यादा घर धराशाई, मुख्य सड़क बही

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्य प्रदेश के विंध्य क्षेत्र में 16 जुलाई की शाम से 17 जुलाई की शाम तक लगातार 24 घंटे हुई मूसलाधार बारिश ने मऊगंज जिले में भारी तबाही मचाई है। जिले भर में आई बाढ़ के कारण 60 से ज्यादा कच्चे मकान पूरी तरह धराशाई हो गए, जबकि एक प्रमुख सड़क का बड़ा हिस्सा बह गया, जिससे आवागमन पूरी तरह से ठप हो गया है। राहत और बचाव कार्य में जिला प्रशासन की टीमें जुट गई हैं।

बाढ़ से सबसे ज्यादा नुकसान ग्रामीण इलाकों में हुआ है। जिले के ढाबा तिवरियांग गांव में करीब 50 घर धराशाई हुए, वहीं मारो गांव में भी एक दर्जन से अधिक घरों को क्षति पहुँची है। इन कच्चे मकानों में रहने वाले लोगों का भारी नुकसान हुआ है। हालांकि, राहत की बात यह है कि बाढ़ के कारण किसी भी तरह की जनहानि की कोई सूचना नहीं है।

मऊगंज-कटरा मार्ग जलमग्न, निर्माण की खुली पोल: तेज बारिश और बाढ़ के कारण मऊगंज-कटरा-प्रयागराज का मुख्य मार्ग पानी के तेज बहाव में बह गया है, जिससे आवागमन पूरी तरह से बंद हो गया है। बताया जा रहा है कि इस मार्ग का निर्माण कुछ ही साल पहले हुआ था, लेकिन पहली ही बारिश में इसके बह जाने से निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठ गए हैं। फिलहाल सड़क की मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया गया है।

राहत कार्य में जुटा प्रशासन: घरों के धराशाई होने की सूचना मिलने पर जिला प्रशासन की टीमें मौके पर पहुँची और प्रभावित लोगों को तत्काल सहायता पहुँचाई। जिला प्रशासन ने प्रत्येक पीड़ित परिवार को बर्तन खरीदने के लिए 5000 रुपये और 50 किलो अनाज का वितरण किया है। साथ ही घरों का सर्वे कराकर उचित मुआवजा राशि देने का भी आश्वासन दिया गया है। मारो गांव में प्रभावित लोगों को सुरक्षित निकालकर पास के स्कूल भवन में ठहराया गया है, जहाँ उनके खाने-पीने की व्यवस्था भी की गई है।

"यह बाढ़ लाई गई है": क्षेत्र के स्थानीय नेता और अधिकारियों ने भी बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया। उन्होंने कई गाँवों जैसे ढाबा, खटखरी, पहाड़ी, मुदरिया, हरदहाई और टटहरा का भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह केवल बारिश की वजह से आई बाढ़ नहीं है, बल्कि यह "बाढ़ लाई गई है।" उन्होंने आरोप लगाया कि गलत जगहों पर बनाए गए डैम और दीवारों के कारण पानी का बहाव रुका, जिससे जलभराव की स्थिति निर्मित हुई। उन्होंने इसे प्रशासन की बड़ी लापरवाही बताते हुए इस पर तत्काल ध्यान देने की बात कही।

विकास के साथ कला और संस्कृति का विकास आवश्यक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि विकास के साथ कला और संस्कृति का विकास आवश्यक है। रीवा के राजकपूर ऑडिटोरियम में कलाकारों को विभिन्न आयोजनों की प्रस्तुति के लिए मंच उपलब्ध हो रहा है। इस प्रकार के आयोजनों से ऊर्जा का संचार होता है। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल गत रात्रि शान-ए-विन्ध्य सम्मान समारोह में शामिल हुए तथा इस अवसर पर उनका शाल, फल व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया गया।

राजकपूर ऑडिटोरियम में देर रात्रि तक चले आयोजन में देश के ख्यातिलब्ध कलाकार एहसान कुरैशी तथा अन्य कलाकारों ने लोगों को अपनी हास्य प्रस्तुतियों से लोट-पोट कर दिया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि एहसान कुरैशी जी ने लोगों को खूब हंसाया। हंसाने वाले लोग कम ही होते हैं। उन्होंने कहा कि कला और संस्कृति से जुड़े आयोजनों से कलाकारों का उत्साह बढ़ता है और शहर में जीवंतता बनी रहती है। शुक्ल ने कहा कि शान-ए-विन्ध्य सम्मान समारोह के आयोजक बधाई के पात्र हैं जिन्होंने यह आयोजन किया। इस अवसर पर प्रतिभावान कलाकारों का सम्मान भी किया गया। ऐसे आयोजन हमेशा होते रहना चाहिए। उप मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर सांसद जनार्दन मिश्र, अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय, आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े, वरिष्ठ पत्रकार जयराम शुक्ल सहित बड़ी संख्या में शहरवासी उपस्थित रहे।

कृषि महाविद्यालय में 'नशा मुक्ति' पर दो दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा के कृषि महाविद्यालय में युवाओं को नशे की लत से बचाने के उद्देश्य से दो दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने छात्रों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में जानकारी दी और उन्हें इससे दूर रहने की सलाह दी।

कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य छात्रों को मादक पदार्थों के बढ़ते सेवन के प्रति सचेत करना था। विशेषज्ञों ने बताया कि नशा न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि यह व्यक्ति के सामाजिक और पारिवारिक जीवन को भी बुरी तरह प्रभावित करता है।

आयोजकों ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम बेहद जरूरी हैं ताकि युवा पीढ़ी को सही दिशा दिखाई जा सके और उन्हें एक स्वस्थ तथा नशा-मुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित किया जा सके। कार्यक्रम में उपस्थित छात्रों ने भी नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

सड़क के अभाव में चारपाई पर लादकर ले जानी पड़ी बीमार मां, ग्रामीणों में आक्रोश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले की मनगवां विधानसभा के अंतर्गत आने वाले मौहरिया गांव में सड़क की बदहाली ने एक बार फिर ग्रामीणों का दर्द उजागर कर दिया है। यहां सड़क न होने के कारण एक बीमार महिला को इलाज के लिए चारपाई पर लादकर अस्पताल ले जाना पड़ा। ग्रामीणों का आरोप है कि साल 2015 में सड़क का भूमिपूजन होने के बावजूद ठेकेदार और नेताओं की मिलीभगत से निर्माण कार्य नहीं हुआ और टेंडर का पैसा खा लिया गया।

यह घटना इंद्रराज यादव के परिवार के साथ घटी। उनकी मां का हाल ही में एक दुर्घटना के बाद अस्पताल में इलाज चल रहा था। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद उन्हें घर लाया गया, लेकिन अचानक उनकी तबियत फिर बिगड़ गई। सड़क न होने के कारण गांव तक एंबुलेंस या कोई वाहन नहीं पहुंच सका, जिसके चलते उन्हें मजबूरी में चारपाई पर लादकर मुख्य सड़क तक ले जाना पड़ा।

ग्रामीणों के अनुसार, राजहा से मौहरिया को जोड़ने वाले इस कच्चे मार्ग की हालत बेहद खराब है। हल्की बारिश में ही यह रास्ता कीचड़ और दलदल में तब्दील हो जाता है, जिससे आवागमन पूरी तरह से ठप हो जाता है। बारिश के दिनों में ग्रामीणों को अक्सर इसी तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बच्चों को स्कूल जाने, मरीजों को अस्पताल ले जाने और रोजमर्रा के काम के लिए लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

ग्रामीणों में इस बात को लेकर भारी आक्रोश है कि सालों पहले सड़क का भूमिपूजन होने के बाद भी उसका निर्माण नहीं हुआ। यह घटना एक बार फिर प्रशासन की उदासीनता और विकास कार्यों में हो रहे भ्रष्टाचार को दर्शाती है, जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।

उप मुख्यमंत्री ने झलबदरी तालाब को शीघ्र पूर्ण करने के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने सुबह विश्वविद्यालय के समीप भ्रमण के दौरान निर्माणाधीन झलबदरी तालाब के सौंदर्यीकरण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए उपस्थित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों को कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने, तय समय सीमा में कार्य पूण करने तथा तालाब क्षेत्र को स्वच्छ, आकर्षक एवं जन सुविधाओं से युक्त विकसित करने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।

राजस्व अधिकारियों ने सरकार की कार्य विभाजन नीति पर जताई आपत्ति

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सरकार द्वारा राजस्व विभाग के अधिकारियों के लिए बनाई गई नई कार्य विभाजन नीति पर रीवा के राजस्व अधिकारियों ने आपत्ति दर्ज कराई है। अपनी मांगों से संबंधित एक ज्ञापन पत्र आज उन्होंने कलेक्टर प्रतिभा पाल को सौंपा, जो मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के नाम संबोधित था। अधिकारियों ने मांग की है कि कार्य विभाजन से पहले इसके लिए विधिवत नियम (बाय-लॉज) बनाए जाएं और पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराए जाएं।

दरअसल, सरकार ने हाल ही में एक पत्र जारी कर सभी राजस्व अधिकारियों, जिसमें तहसीलदार और नायब तहसीलदार शामिल हैं, के कार्यों को 'न्यायिक' और 'गैर-न्यायिक' श्रेणियों में विभाजित करने का निर्देश दिया है। राजस्व अधिकारियों का कहना है कि यह विभाजन करने से पहले संसाधनों की कमी पर ध्यान नहीं दिया गया है। उनके मुताबिक, राजस्व न्यायालयों में पहले से ही ऑपरेटर और प्रवाचकों की भारी कमी है। नई नीति के तहत जो अधिकारी गैर-न्यायिक कार्य करेंगे, उनके लिए कंप्यूटर सिस्टम, बैठने की व्यवस्था और सहायक स्टाफ की कोई सुनिश्चितता नहीं की गई है।

"संसाधनों की कमी से जूझ रहा संवर्ग": राजस्व अधिकारियों ने कहा कि संसाधनों की कमी के अभाव में वे अपनी क्षमता के अनुरूप काम नहीं कर पाएंगे, जिससे आम जनता को भी परेशानी होगी। उन्होंने यह भी बताया कि हाल ही में सरकार की विभिन्न योजनाओं जैसे स्वामित्व योजना और फार्मर रजिस्ट्री में उनके संवर्ग ने उत्कृष्ट कार्य किया है। उन्होंने दावा किया कि फार्मर रजिस्ट्री के मामले में मध्यप्रदेश पूरे देश में पहले स्थान पर है, जो राजस्व अधिकारियों और पटवारियों की कड़ी मेहनत का परिणाम है।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि वे सरकार के हर कार्य के लिए तैयार हैं, लेकिन पहले उन्हें जरूरी संसाधन उपलब्ध कराए जाएं। इस ज्ञापन के बाद, राजस्व संघ अपनी भविष्य की रणनीति तय करने के लिए बैठक कर रहा है। ज्ञापन सौंपे जाने के बाद, कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कहा कि यह एक नीतिगत विषय है और इस पर शासन के निर्देशों के अनुसार ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

होटल चन्द्रलोक से वसूली जुर्माना राशि

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत चन्द्रलोक होटल रीवा पर एक लाख रुपए की जुर्माना राशि अधिरोपित की गई थी। कलेक्टर प्रतिभा पाल के निर्देश पर चन्द्रलोक होटल से 50 हजार रुपए की जुर्माना राशि की वसूली की गई। उल्लेखनीय है कि पूर्व में होटल संचालक द्वारा 50 हजार रुपए जमा कराए गए थे। शेष जुर्माना राशि 50 हजार रुपए ऑनलाइन माध्यम से जमा कराए गए। इस दौरान नायब तहसीलदार यतीश शुक्ला, खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमरीष दुबे, निरीक्षक साबिर अली उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।